मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम–
युगातीत प्रासंगिकता

सामाजिक न्याय
बाल श्रम

संपर्क | सहयोग | संस्कार | सेवा | समर्पण

स्वस्थ-समर्थ-संस्कारित भारत ◆ Swasth-Samarth-Sanskarit Bharat

नीति Niti

भारत विकास परिषद
तमसो मा ज्योतिर्गमय
स्था. 1963 ®

कार्तिक-मार्गशीर्ष | November 2021

अंक 11 | पृष्ठ 36 | Rs. 10

जगमग दीप जले, अयोध्या पधारे राम

विकास रत्न

श्रीमती जी. पदमा राव - श्री जी. लक्ष्मण राव
हैदराबाद (तेलंगाना) से विकास रत्न बनें।

श्रीमती सीमा गोयल - श्री नवनीत गोयल
गाँधीनगर (गुजरात) से विकास रत्न बनें।

श्री विनोद माधव करंदीकर
ठाणे (महाराष्ट्र) से विकास रत्न बनें।

श्रीमती अलका जायसवाल गुप्ता - चन्द्र मोहन गुप्ता
कानपुर (उ.प्र.) से विकास रत्न बनें।

श्रीमती नेहा गोयल - श्री राकेश गोयल
नई दिल्ली से विकास रत्न बनें।

श्रीमती विनीता पाटोदिया - सुनील कुमार पाटोदिया
पवई मुम्बई (महाराष्ट्र) से विकास रत्न बनें।

58 Years
In the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

November 2021, No. 11, Vol XXXXXIVVXVXVXVXXIII
सृष्टि संवत् : 1, 96, 08, 53, 122 शकसंवत् 1943
कार्तिक-मार्गशीर्ष 2078 दयानन्दाब्द 199 कलि संवत् 5124

नीति / Niti

National President
GAJENDRA SINGH SANDHU
Rudrapur | +91-9412136841

National Vice President (HQ)
MAHESH BABOO GUPTA
Noida | +91-9811226601

National Secretary General
SHYAM SHARMA
Kota | +91-9829038190

National Finance Secretary
SAMPAT KHURDIA
Mumbai | +91-9821139149

National Organising Secretary
SURESH JAIN
Delhi | +91-9974399944

National Chairman Prakashan
DR SURESH CHANDRA GUPTA
Farrukhabad | +91-9415334709

National Secretary Prakashan & Editor Niti
MANOJ AVASTHI
Ghaziabad | +91-9953495747, 9891153495

नीति समाचार भेजने के लिए केवल- niti@bvpindia.com का प्रयोग करें।

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website **www.bvpindia.com**

Published & Printed by Shyam Sharma for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : Dr. S.C.Gupta Printed at: DEEYA MEDIA ART, D-41/A, Opposite Metro Pillar No. 33, Vikas Marg, Laxmi Nagar, Delhi-110092, Ph.: 9312550335

"एक निरोगी एवं स्वस्थ व्यक्ति ही दुनियामें सबसे ज्यादा अमीर होता है।"

IN THIS ISSUE

सम्पादकीय	4
जगमग दीप जलाओ, अयोध्या राम पधारे	9
मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम - युगातीत प्रासंगिकता	12
स्वास्थ्य सेवा	14
ॐ गुरुवें नमः	18
विविध गतिविधियां	24

नवंबर मास के पर्व

02 : धन तेरस

03 : नरक चतुर्थी

04 : दीपावली

05 : गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, विश्वकर्मा पूजा

06 : भाई दूज

10 : प्रतिहारी षष्ठी, सूर्य षष्ठी (छठ पूजा)

14 : बाल दिवस

19 : गुरु नानक जयन्ती, गंगा स्नान

24 : गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस

Central & Regd. Office:
Bharat Vikas Bhawan
Behind BD Block DDA Market, Power House Road, Pitampura, Delhi -110034
Ph: 011-27313051, 27316049
e-mail : bvp@bvpindia.com
niti@bvpindia.com
website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy

Please forward news at niti@bvpindia.com

हरि अनंत हरि कथा अनंता! रामकथा अनेक युगों में अनेक देशों व भाषाओं में लिखी गई। बार-बार लिखे जाने के बावजूद कवियों ने अनेक बिन्दु ऐसे ढूंढ लिए जिन पर मूल कथा को अक्षुण्ण रखते हुए एक-एक पात्र को पुनः परिभाषित किया जा सकता है। हर परिभाषा शाश्वत है अनंत है। उदाहरण के लिए जटायु का पात्र रामकथा में एक अलग भाव लिए हुए है। युगों युगों में अत्याचार के विरुद्ध मूक दुनिया में एक बहादुर का किरदार या कहें अपराध के विरुद्ध अपनी आवाज़ बुलंद करने वाला निरीह प्राणी जटायू था। उसे पता था कि रावण शक्तिशाली है किन्तु अनुचित के प्रति लड़ना जटायू की कर्तव्यपरायणता ही थी। इसी प्रकार रामकथा अनेक चरित्रों का सुन्दर वर्णन संजोय हुए है। फिर चाहें मंथरा, सुरसा, सूर्पनखा हो या केवट, जामवंत, अहिल्या। सभी किरदारों का चरित्र वर्णन समाज की समसामयिक बुराई-अच्छाईयों का निचोड़ है। दूसरी तरफ माँ सीता, उर्मिला, मंदोदरी का नारी सशक्तिकरण व सहनशीलता चरित्रदायी है। लक्ष्मण व भरत का समर्पण शिक्षाप्रद व अनुकरणीय है। रामकथा एक सम्पूर्ण जीवंत संस्कारमाला है।

दीपावली का पर्व नज़दीक है। परिषद् की कई शाखाओं व परिवारों द्वारा दीपावली की तैयारिया चर रही होंगी। नए कपड़े, बर्तन, मिठाईयाँ, खील, खिलौने, दीपक, सजावट का सामान घरों में खरीदारी का माहौल होगा। दीपावली के पाँच दिन - धनतेरस से दूज तक पाँच दीपक प्रतिदिन प्रज्जवलित कर श्रीराम का स्वागत करें व रामकथा के अनेक चरित्रों का वर्णन घर-परिवार के बच्चों से अवश्य करें। शाखाएँ अपने कार्यक्रम आयोजनों में रामकथा के चरित्रों पर चर्चा भी रख सकती है।

'खुशी की पोटली' जिसमें खील, खिलौने, बताशे, मिठाई, यदि संभव हो तो एक बर्तन, कपड़ा, दीपक सहित पोटली बनाकर अपने निकटवर्ती झुग्गी-झोपड़ी-सेवा बस्ती में अवश्य वितरित करें। ध्यान रहे श्रीराम आगमन की खुशी हम सबकी खुशी है। हर बच्चे को खुशी होनी चाहिए। हर बच्चे में श्रीराम से संस्कार होने चाहिए।

दीपोत्सव की अनंत शुभकामनाएँ।

-मनोज अवस्थी

'खुशी की पोटली' जिसमें खील, खिलौने, बताशे, मिठाई, यदि संभव हो तो एक बर्तन, कपड़ा, दीपक सहित पोटली बनाकर अपने निकटवर्ती झुग्गी-झोपड़ी-सेवा बस्ती में अवश्य वितरित करें। ध्यान रहे श्रीराम आगमन की खुशी हम सबकी खुशी है। हर बच्चे को खुशी होनी चाहिए। हर बच्चे में श्रीराम से संस्कार होने चाहिए।

ठुमक चलत, रामचन्द्र

ठुमक चलत रामचन्द्र बाजत पैंजनियाँ
किलकि-किलकि उठत धाय, गिरत भूमि लटपटाय
धाय मात गोद लेत, दशरथ की रनियाँ
ठुमक चलत रामचन्द्र बाजत पैंजनियाँ

अंचल रज अंग झारि, विविध भाँति सो दुलारि
तन-मन-धन वारि-वारि, कहत मृदु बचनियाँ
ठुमक चलत रामचन्द्र बाजत पैंजनियाँ

विद्रुम से अरुण अधर, बोलत मुख मधुर-मधुर
सुभग नासिका में चारु, लटकत लटकनियाँ
ठुमक चलत रामचन्द्र बाजत पैंजनियाँ

तुलसीदास अति आनन्द, देख के मुखारविन्द
रघुबर की छबि समान, रघुबर छबि बनियाँ
ठुमक चलत रामचन्द्र बाजत पैंजनियाँ

-गोस्वामी तुलसीदास

कहो मंथरा!

कहो मंथरा!
रानी के कानों को भरकर,
अवधपुरी को यूँ सुलगाकर क्या पाया है?

राम तपे वन में जा, तो शीतलता पाई?
या दशरथ ने प्राण तजे तो, उम्र बढ़ी है?
ममता के वरदानों को अभिशाप बनाकर
इतिहासों में कोई अनुपम रीति गढ़ी है?
लालच की चौसर पर छल की चालें चल
कर
रघुकुल पर लांछन लगवाकर क्या
पाया है?

जनकसुता की निन्दा करके वैभव पाया?
छोटी माँ की मति छोटी कर सुख पाये हैं?
तुम बतलाओ इस करतब की
यशगाथा के
कितने वेद पुराणों ने मंगल गाये हैं?
वैदेही का घर छुड़वाकर, बोलो धोबी
पावनता पर प्रश्न उठाकर क्या पाया है?

इतिहासों ने केवल दुत्कारा है उनको
आग लगाने वाले कब पूजित होते हैं!
निन्दक को सम्मान नहीं मिलता है जग में
व्यर्थ मनुज का जन्म लिए जीवन खोते हैं
दुनिया भर में आग लगानेवालो सोचो-
तुमने इस दुनिया में आकर क्या पाया है?

-निकुंज शर्मा

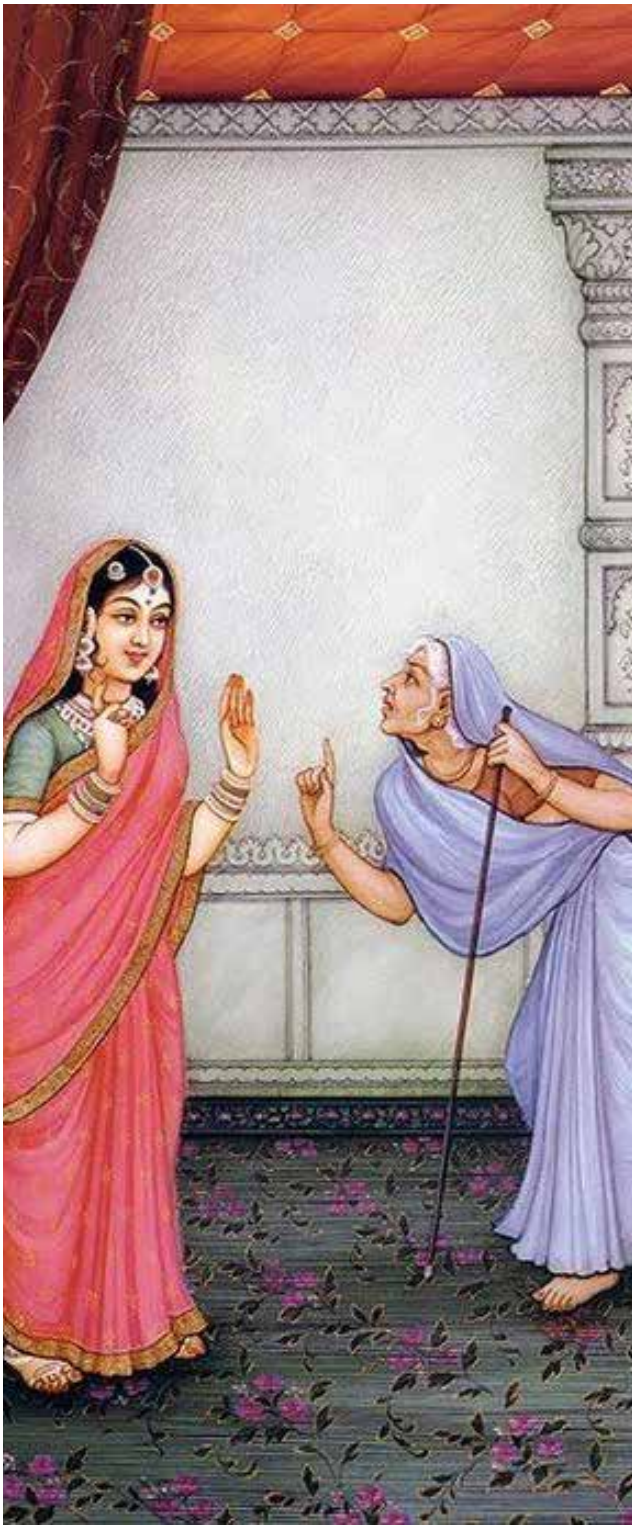

केवट ने चरण पखारे हैं

जिसने चाहा वह पार हुआ,
जीवन का सच्चा सार हुआ
प्रभु मर्यादा पुरुषोत्तम हैं,
लघुतम तो कहीं महत्तम हैं
उर में विशाल करुणा सागर,
भक्तों हित जीते-हारे हैं
केवट ने चरण पखारे हैं

कोई अभिशापित व्यथित
शिला पा राम परस फिर
हुई धन्य
भिलनी शबरी ने बेरों से
पाया हो जैसे प्रेमजन्य
हे दीनबन्धु! मन कामेश्वर!
मुत सेतुबन्ध श्री रामेश्वर।
तारे शरणागत द्वारे हैं
केवट ने चरण पखारे हैं

तुम मानवता के सम्बल हो,
जीवन के प्रश्नों का हल हो
आगत भविष्य के कर्णधार,
प्यासे मन के गंगाजल हो
तुम शिवशंकर का हो अर्चन,
मानवता का पावन दर्पण
हम धारा नहीं किनारे हैं
केवट ने चरण पखारे हैं

-बलराम श्रीवास्तव

लक्ष्मण

विश्व श्याम जीवन के जलधर, राम प्रणम्य, राम हैं ईश्वर
लक्ष्मण निर्मल स्नेह सरोवर, करुणा सागर से भी सुन्दर
सीता के चेतना जागरण, राम हिमालय से चिर पावन
मेरे मन के मानव लक्ष्मण, ईश्वरत्व भी जिन्हें समर्पण
धीर, वीर अपने पर निर्भर, झुका अहम् धनुधर सेवा शर
कब से भू पर रहे वे विचर, लक्ष्मण सच्चे भ्राता, सहचर
युग युग से चिर असि व्रतचारी, जग जीवन विघ्नों के हारी
जन सेवा उनकी प्रिय नारी, वह उर्मिला, हृदय को प्यारी
रुधिर वेग से कम्पित थर-थर, पकड़ उर्मिला का पल्लव कर
बोले, 'प्रिये, विदा हो हँसकर, संग राम के जाता अनुचर।'
चौदह बरस रहे वे बाहर, बिछुड़े नहीं प्रिया से क्षण भर
सजग उर्मिला थी उर भीतर, मानस की सी उर्मि निरन्तर
स्नेह उर्मिला का चिर निश्छल, नहीं जानता विरह मिलन पल
वह बह-बह अन्तर में अविरल, बनता रहता सेवा मंगल
वह सेवा कर्त्तव्य नहीं है, वह भीतर से स्वतः बही है
हार्दिकता की सरित रही है, जिससे निश्चित हरित मही है
सहज सलज्ज सुशील स्नेहमय, जन-जन के साथी, चिर सहृदय
मुक्त हृदय विनम्र अति निर्भय, जन्म-जन्म का हो ज्यों परिचय
जाते वे सन्मुख प्रसन्न मन, भू पर नत आनन्द के गगन-
बरस गया जिसका ममत्व घन, गौर चान्दनी-सा चेतन तन
ऐसे भू के मानव लक्ष्मण, कभी गा सकूँ उनका जीवन
छू जिनके सेवा निरत चरण, बिछे जाते पथ शूल फूल बन!
राम पतितपावन, दुःखमोचन, लक्ष्मण भव सुख-दुःख में शोभन
वे सर्वज्ञ, सर्वगत, गोपन ज्ञान मुक्त ये पद नत लोचन!

-सुमित्रानन्दन पंत

जगमग दीप जले, अयोध्या पधारे राम

जगमग दीप जले, अयोध्या पधारे राम,
रघुकुल रीत सदा चली आई,
प्राण जाएं पर वचन न जाई,
इन पंक्तियों को श्रीराम ने कैसे सार्थक किया?

अयोध्या नगरी के राजा दशरथ की तीन रानियाँ थी। सबसे बड़ी कौशल्या, दूसरी कैकेई और तीसरी रानी सुमित्रा। महर्षि के आशीष से कौशल्या के गर्भ से राम का जन्म हुआ तथा कैकेई के गर्भ से भरत का जन्म हुआ एवं सुमित्रा के गर्भ से लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। बचपन में ही गुरु विश्वामित्र देवताओं की रक्षा के लिए राम व लक्ष्मण को दिव्य शिक्षा के लिए अपने आश्रम में ले गये थे, तब उन्हें दिव्यशिक्षा प्रदान की थी। तभी मिथिला से सीता जी के स्वयंवर का बुलावा गुरु विश्वामित्र जी को मिला, तब गुरु विश्वामित्र ने श्रीराम व लक्ष्मण की जिज्ञासा जानी तो दोनों भाईयों ने मिथिला नगरी को जाने की तैयारी कर ली और गुरु जी के साथ चल दिये। मिथिला की सीमा में पहुँचते ही गौतम ऋषि के कुटिल शाप से पत्थर के समान पड़ी केवल वायु भक्षण करके श्रीराम का जाप कर रही थी, वहाँ महर्षि विश्वामित्र के सानिध्य में गौतम-तियअहिल्या को शापमुक्त किया।

मिथिला नरेश जनक के यहाँ सीता स्वयंवर में गुरु का आदेश पाकर शिव-धनुष भंजन किया गुरु विश्वामित्र जी ने सीता जी से विवाह सम्पन्न कराया तथा लक्ष्मण का विवाह उर्मिला से व भरत का विवाह मण्डवी से एवं शत्रुघ्न का विवाह श्रुतिकीर्ति से कराया। ये चारो ही सगी बहनें थी।

विवाह के उपरान्त महाराज दशरथ ने श्रीराम का राज्याभिषेक करने की तैयारी प्रारंभ की, लेकिन विधि का विधान कुछ और ही था, क्योंकि लंकापति का बध होना जरूरी था, जिसको श्रीराम के बिना कोई नहीं मार सकता था, रावण के बध के लिए श्रीराम को वहाँ जाना निश्चित था, यह मन्तव्य बिन वनवास के पूर्ण नहीं हो सकता था, इस महान कार्य के लिए श्रीराम का अवतार हुआ, तथा इस कार्य को पूर्ण करने के लिए विधि ने मंथरा को माध्यम बना कर, कैकेई की सोच को बदल दिया और उसके द्वारा राजा दशरथ से तीन वचनों में से पहले श्री राम को चौदह वर्ष का वनवास और दूसरे में अपने पुत्र भरत को राजसिंहासन मांग लिया।

राजा दशरथ को अपने द्वारा दिये गये वचनों के पालन में श्रीराम को वनवास के आदेश दे दिया जिसे श्रीराम ने सहर्ष स्वीकार किया, लेकिन जब श्रीराम वनगमन को तैयार हुए तो सीता ने कहा कि मैं भी साथ चलूँगी, मेरे श्रीराम वन में रहें और मैं राजमहल में, मैं उनके सुख दुख में अपना पूर्ण सहयोग करूँगी यह नारी की मर्यादा है। लक्ष्मण ने कहा कि मुझे श्रीराम के चरणों से कोई अलग नहीं कर सकता। श्रीराम जानकी व लक्ष्मण वन को चले गये।

श्रीराम के वन गमन के बाद पुत्र वियोग में राजा दशरथ भी सुरलोक सिधार गये। तब भरत और शत्रुघ्न अपनी ननिहाल से आये और सब कुछ ज्ञात हुआ तो भरत ने राजसिंहासन के लिए इनकार कर दिया और कैकेई की

भर्त्सना की और अपने बड़े भाई श्रीराम को वापस लेने चले गये किन्तु श्रीराम निभृत से कहा कि भैया यह तो मेरा सौभाग्य है कि मुझे यह अवसर मिला है, लेकिन भरत श्रीराम की पादुका अपने सिर पर रखकर लाये और सिंहासन पर विराजमान कर दी, यह है भाई का त्याग। क्योंकि भरत ने भी अपने कुल की मर्यादा को आँच नहीं आने दी। उन्होंने भी कभी अपनी मर्यादा का उलंघन नहीं किया।

श्रीराम केवल एक आदर्श पुत्र ही नहीं थे बल्कि आदर्श भाई और आदर्श पति एवं आदर्श राजा भी थे। उन्होंने सदैव माता-पिता और गुरु की आज्ञा का पालन किया। वनवास काल में श्रीराम ने भीलनी के बेर खाकर तथा अत्रि ऋषि के आश्रम में सती अनुसुइया के दर्शन करके उत्कृष्ट आदर्श और अनन्य समाजवाद का संदेश दिया।

समस्त राक्षसी एवं राक्षसों सहित रावण का बध करके जब श्रीराम वापस अयोध्या लौट रहे थे तो स्वर्गलोक से उनके पिता महात्मा दशरथ जी ने अपने दर्शन दिये और कहा कि पुत्र को पिता से कुछ भी मांगने का अधिकार होता है और वचन दिया कि माँग लो जो मांगना है, तब श्रीराम जी ने बड़े ही दयालु स्वर में कहा, हे महात्मन यदि आप मुझे वर देना चाहते हैं तो, कृपा करके मेरी माता को दिए हुए अपने शाप से मुक्त कर दें, क्योंकि महाराज दशरथ ने कैकेई को यह शाप दिया था कि मैं तेरा त्याग करता हूँ, जबकि कैकेई ने ही श्रीराम को वनवास में भिजवाया था, लेकिन कैकेई के प्रति कोई भी दुर्भावना नहीं थी। श्रीराम धर्म की सीमा और मर्यादा की पराकाष्ठा हैं।

लक्ष्मण ने अपने भ्रातृ प्रेम में भाई श्रीराम की निःस्वार्थ सेवा में अपना सब कुछ बलिदान कर दिया और चौदह वर्ष तक जागकर उनकी सेवा की, जबकि उर्मिला भी त्याग की प्रतिमूरत है जिसने भी निःस्वार्थ भावना से अपनी मर्यादा को सीमा में बाँध लिया था तथा भरत के मन को कभी भी लालच ने नहीं छुआ और वे नन्दीग्राम में जाकर जमीन पर लेट कर वन से वापसी का इंतजार करते रहे।

जब श्रीराम अपने भाई लक्ष्मण व देवी सीता के साथ कार्तिक अमावस्या को अयोध्या वापस लौटे तो अयोध्यावासियों ने पहली बार नगर में दीपोत्सव मनाया और श्रीराम, देवी सीता व लक्ष्मण का अद्भुत स्वागत किया, तो श्रीराम जी के कमल समान नेत्रों से जल की धारा बह निकली थी।

राम वनगमन के समय केवल राम ही बनकर वन को गये थे परन्तु अयोध्या में जब रावण के सहित सभी राक्षसों का बध करके वापस अयोध्या लौटे तो वे पुरुषोत्तम राम बनकर।

जीवन की हर सांस पुरुषोत्तम राम के चरणों से जुड़ जाए ऐसी मेरी अभिलाषा है।

इति

विक्रान्त खण्डेलवाल

मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम – युगातीत प्रासंगिकता

आदिकवि महर्षि बाल्मीकि ने हजारों वर्ष पहले श्रीराम के जीवन काल के दौरान रामायण की रचना की थी। वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर रामायण में वर्णित घटनाओं के अनुक्रम से सिद्ध होता है कि वर्तमान नूतन युग में सूर्यवंश प्राचीन भारत का सर्वोच्च राजवंश था। श्री राम इस राजवंश के 64वें सम्राट थे। उस धरती पर अभी तक जन्म लेने वाले लोगों में सबसे अधिक यशस्वी, तेजस्वी, दयालु व पराक्रमी सम्भवतः सर्वाधिक प्रतिष्ठित एवं श्रेष्ठतम थे। महर्षि बाल्मीकि ने रामायण की रचना करते समय सम्पूर्ण घटनाओं को समय आकाश में ग्रहों, नक्षत्रों की स्थितियों का वर्णन किया। खगोलीय गणनाओं ने सिद्ध किया कि बाल्मीकि रामायण में वर्णित घटनाएँ वास्तव में 7000 वर्ष पूर्व उसी रूप में घटित हुई जैसा कि रामायण में वर्णित है रामसेतु उसी स्थान पर जलमग्न पाया गया है।

बालकांड के सर्ग अट्ठारह के अनुसार यज्ञ समाप्ति के पश्चात छः ऋतु बीत जाने के बाद 12वें मास में चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र एवं कर्क लग्न में राजा दशरथ की पहली पत्नी कौशल्या देवी ने दिव्य लक्षणों से युक्त एक यशस्वी और प्रतिभाशाली पुत्र को जन्म दिया। जिसका नाम 'राम' रखा गया। महर्षि बाल्मीकि के अनुसार श्रीराम के जन्म के समय ग्रहों और नक्षत्रों की स्थिति इस प्रकार थी :-

- पाँच ग्रह अपने-अपने उच्च स्थान पर थे अर्थात सूर्य मेष में, शुक्र मीन में, मंगल मकर में, शनि तुला में, वृहस्पति कर्क में थे।
- चन्द्रमा पुनर्वसु नक्षत्र में था तथा चन्द्रमा और वृहस्पति एक साथ कर्क में चमक रहे थे।
- कर्क राशि पूर्व से उदय हो रही थी तथा यह चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि थी।

इन सभी खगोलीय विन्यासों को अयोध्या के अक्षांश और रेखांश से 10 जनवरी 1514 वर्ष ई.पू. को दोपहर 12:00 से 2:00 के बीच के समय में देखा जा सकता है।

सनातन संस्कृति के प्राण हैं राम

राम भारत की कालजई मृत्युंजयी संस्कृति के उच्चतम प्रतिमान और वैदिक हिन्दू धर्म संस्कृति के प्राण हैं। वेदों में ब्रह्म की जिस नाम, रूप, गुण, धर्म और अवस्थाओं का प्रतिपादन है राम स्वयं उसकी साकार सत्ता है। श्रीराम परम धर्म है। भगवान प्रभु श्रीराम के पावन चरित्र में समस्त उच्चताएँ, दिव्यताएँ एवं श्रेष्ठताएँ समाहित है। राम भारत की सनातन संस्कृति के दिव्य आलोक है। जहाँ उच्चतम मूल्य, पर्व-परंपराएँ, सिद्धान्त नित्य प्रकाशित है। रामत्व की साकारता केवल भैतिकीय उत्कर्ष में नहीं, अपितु श्रीराम के दिव्यातिदिव्य गुणों के अनुशीलन में है। हम राम को अपने

अन्तःकरण में उतार कर देखें। राम जैसा पुत्र, पिता, भाई और पति बन कर देखें। जिस प्रकार का दिव्य जीवन राम ने जिया है। उसका आह्वान करके देखें तभी राम की सार्थकता है।

आज विश्व के समक्ष विकृत पर्यावरण की जो चुनौती है उसे राम की भांति प्रकृति केन्द्रित जीवन जी कर ठीक किया जा सकता है। देश में सामाजिक असमानता एक गंभीर समस्या है। सामाजिक समरस्ता का राम से बड़ा कोई अन्य उदाहरण हमारे समक्ष नहीं है। पिता की आज्ञा पर राम अयोध्या के राज महल से वन की ओर निकले तो उन्होंने पूरे मार्ग में किसी राजपुरुष की सहायता नहीं ली। निषादराज की सहायता से नदी पार कर उनको भी मूल्य चुकाना चाहा। इतना ही नहीं राम जबतक चित्रकूट नहीं पहुँचे तब तक निषादराज उनके साथ रहे। जिस कुटिया में राम रहे उनका निर्माण निषादराज ने नहीं लक्ष्मण ने किया। राम राजसी सुख छोड़कर लम्बे समय तक दलितों, वंचितों और वनवासियों के मध्य रहे, उन्हें न्याय दिलाया। अपने रामत्व को सार्थक किया।

वर्तमान परिपेक्ष में महिला सशक्तिकरण एक बड़ा विषय है। श्रीराम ने अहिल्या जैसी उपेक्षित नारी, जो पति के श्राप से पाषाणवत जीवन जी रही थी, को न केवल प्राणवंत किया अपितु मानवोचित सम्मान भी दिया।

राम स्वयं चलकर सबरी जैसी उपेक्षित, दलित महिला के घर गए हो। उसके झूठे बेर खाए। राणव से युद्ध उन्होंने सीता को छुड़ाने भर के लिए नहीं किया अपितु अधर्म और सामाजिक असमानता को समाप्त करने के लिए राम ने रावण का वध कर उसका उद्धार किया। धर्म और अधर्म की लड़ाई में राम चाहते तो अपनी अयोध्या, अपने ननिहाल अथवा अन्य किसी राजा का सहयोग ने सकते थे किन्तु उन्होंने उपेक्षित जीवन यापन करने वाले वानरों को सहयोगी बनाया। प्रशिक्षित किया और मानवीय प्रयत्नों से सागर में सेतु बनवाने जैसा विचित्र , अद्भुत पुरुषार्थ सिद्ध किया। सुग्रीव, अंगद, हनुमान, जामवंत जैसे वानरों और रीछों को साथ लेकर उन्होंने धर्म के

संस्थापना की और उपेक्षित वर्ग को भी गौरव प्रदान किया।

सबमें राम सबके राम

भगवान बुद्ध भी राम से जुड़े हैं तो सदियों से अयोध्या नगरी जैन धर्म की आस्था का भी केन्द्र रही है। राम की यही सर्वव्यापकता भारत की 'विविधता में एकता'' का जीवित चरित्र है। तमिल में कंबन रामायण, तो तेलुगु में रघुनाथ और रंगनाथ रामायण है। उड़िया में रूइपाद-कातेड़पदी रामायण, तो कन्नड़ में कुमुदेंदु रामायण है। आप कश्मीर जाएंगे तो रामावतार चरित मिलेगा। मलयालम में रामचरितम मिलेगा, बांग्ला में कृतिवास रामायण है तो गुरु गोविन्द सिंह ने खुद गोविन्दम रामायण लिखी है। अलग-अलग रामायण में अलग-अलग जगहों पर राम भिन्न-भिन्न रूपों में मिलेंगे लेकिन राम सब जगह हैं राम सबके हैं इसलिए राम भारत की 'अनेकता में एकता' के सूत्र हैं।

दुनिया में कितने ही देश राम के नाम का वंदन करते हैं वहाँ के नागरिक खुद को श्रीराम से जुड़ा हुआ मानते हैं। विश्व की सर्वाधिक मुस्लिम जनसंख्या जिस देश में हैं वह इंडोनेशिया। हमारे देश की ही तरह का काकाविन रामायण, स्वर्णदीप रामायण, योगेश्वर रामायण जैसी कई अनूठी रामायण हैं। राम आज भी वहाँ पूजनीय हैं कंबोडिया में रमकेर रामायण है, लाओ में 'फ्रा लाक फ्रा लाम' रामायण है। मलेशिया में हिकायत सेरीराम को थाईलैंड में रामा केन है। आपको ईरान और चीन में भी राम की प्रसंग तथा राम कथाओं का विवरण मिलेगा। श्रीलंका में रामायण की कथा जानकी हरण के नाम से सुनाइ जाती है। और नेपाल का तो राम से आत्मीय संबंध है यह माता जानकी से जुड़ा है। ऐसे ही दुनिया के और न जाने कितने देश है, कितने छोर हैं जहाँ की आस्था या तो अतीत में राम किसी न किसी रूप में रचे बसे हैं। आज भी भारत के बाहर दर्जनों ऐसे देश हैं जहाँ, वहाँ की भाषा में रामकथा प्रचलित है।

प्रभु श्रीराम का चरित्र इतना प्रेरक है कि उन्हें आश्रय बना कर भारत अपना नैतिक एवं चारित्रिक उत्थान कर सकता है। सामाजिक असमानता की खाई को समाप्त कर सकता है। परिवार और संस्कारों की रक्षा कर सकता है और विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित को सकता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति, परिवार और समाज का कर्तव्य है कि राम के चरित्र का अनुगमन अनुशीलन करें।

(लेखक एवं संकलनकर्ता भारत विकास परिषद् के संगठन मंत्री हैं)

स्वास्थ्य सेवा

Patherkandi (Assam): Branch organized COVID-19 Vaccination Camp at L.P. School, Kanaibazar. A total of 203 doses of vaccines administered in the camp. Out of which, 103 doses administered as 1st dose and 100 doses were administered as 2nd dose. President Secretary and Members of branch actively participated in smooth functioning of the camp.

देवघर, झारखण्ड : शाखा द्वारा करौं प्रखण्ड के चांदचौरा ग्राम में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में चिकित्सकों द्वारा 250 रोगियों का निरीक्षण कर सलाह दी गई। 78 लोगों का एंटीजन कोरोना जांच की गई और 30 लोगों का कोविड टीकाकरण हुआ। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत शिविर में उपस्थित महिलाओं और किशोरियों को परिषद् की सह सचिव डॉ. रूपाली चौधरी ने उनमें रक्त की कमी के कारण पर प्रकाश डाला और समान्य रूप से उपलब्ध पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी। 105 महिलाओं को एक-एक महीने की आयरन गोलियाँ दी गई जबकि 25-30 लड़कियों में आयरन सिरप बांटा गया। समापन सत्र में जिला सह संघचालक डॉ. एन.डी. मिश्रा उपस्थित रहे। इस अवसर पर संरक्षक डॉ. सुनील कुमार सिन्हा प्रो. परिमल सिंह, अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र सिंह, सचिव डॉ. राजेश राज, कोषाध्यक्ष प्रीति कुमारी सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

देवघर, झारखण्ड : शाखा का स्वास्थ्य जांच शिविर

शाखा द्वारा अलग-अलग स्थानों में 6 कोरोना टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर विशेष रूप से गाँवों एवं औद्योगिक क्षेत्रों में लगाए गए ताकि ग्रामवासियों और फैक्ट्रियों में काम करने वाले प्रवासी बन्धुओं को इसका लाभ मिल सके। शाखा अध्यक्ष सुधीर चन्द्र जैन ने बताया कि इन शिविरों में लगभग 1400 से अधिक लोगों ने टीकाकरण करवाया।

शहीद सुखदेव लुधियाना, पंजाब पश्चिम : शाखा द्वारा अलग-अलग स्थानों में 6 कोरोना टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर विशेष रूप से गाँवों एवं औद्योगिक क्षेत्रों में लगाए गए ताकि ग्रामवासियों और फैक्ट्रियों में काम करने वाले प्रवासी बन्धुओं को इसका लाभ मिल सके। शाखा अध्यक्ष सुधीर चन्द्र जैन ने बताया कि इन शिविरों में लगभग 1400 से अधिक लोगों ने टीकाकरण करवाया। शिविरों का आयोजन जिला प्रशासन के सहयोग सम्पन्न हुआ।

डॉ. किचलू लुधियाना : शाखा द्वारा लुधियाना चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से निःशुल्क कृत्रिम अंगदान तथा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 51 दिव्यांग व्यक्तियों को

डॉ. किचलू लुधियान, पंजाब पश्चिम : शाखा का कृत्रिम अंग वितरण शिविर

शाखा के तत्वावधान में कोरोना टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 250 लोगों का टीकाकरण हुआ।

निःशुल्क अंग, बाजू, कैलिपर, बैसाखी तथा ऊँचे सुनने की मशीन दी गई। इसके अतिरिक्त ब्लड शुगर, बी.पी., भार, ऊँचाई, आयु आदि का परीक्षण किया गया। प्रान्तीय महासचिव अरुणा पुरी ने सभी लाभार्थियों को शुभमानाएं दी।

फाजिल्का, पंजाब दक्षिण : शाखा द्वारा पुरषोत्तम लाल पेड़ीवाल की याद में उनके परिवार के सहयोग से 29वां निःशुल्क फेको ऑपरेशन एवं जांच शिविर का आयोजन साधू आश्रम में किया गया। प्रेस सचिव सुनील कक्कड़ ने बताया कि मेगा शिविर में 1220 जरूरतमंद मरीजों ने अपनी आँखों की जांच करवाई। शिविर में लायन आई केयर सेन्टर जैतो के विशेषज्ञ डॉ. सोनम गुगलानी, डॉ. नवजोत सिंह सिद्धू व उनकी टीम ने अपनी सेवायें प्रदान की। ऑपरेशन योग्य पाये गये 402 मरीजों को लायन आई केयर सेंटर ले जाया गया जहाँ उनका निःशुल्क ऑपरेशन किया गया। शिविर में मरीजों की निःशुल्क शूगर व बी.पी की भी जांच की गई। शिविर में सम्मानीय अतिथि प्रधान आढ़तिया एसोसिएशन दविन्दर सचदेवा, मुख्य अतिथि प्रधान नगर कौसिंल सुरिन्दर सचदेवा, राजन सिंगला, श्रीनिवास बिहानी, विक्टर छाबड़ा सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

सासनी, ब्रज उत्तर : शाखा द्वारा रामलीला मैदान के विशाल प्रागंण में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 63 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार वार्ष्णेय ने रक्तदान कर किया गया।

सासनी, ब्रज उत्तर : शाखा का रक्तदान शिविर

चन्दौसी, रुहेलखण्ड पश्चिम : शाखा के तत्वावधान में साहू रघुवीर शरण की कोठी पर कोरोना टीकाकरण शिवर का आयोजन किया गया जिसमें 250 लोगों का टीकाकरण हुआ। शिविर का उद्घाटन संयुक्त चिकित्सालय चन्दौली के डॉ. संजीव राठौर द्वारा किया गया। टीकाकरण टीम में विवेक चौहान, दीपक, राधा व पूनम का सराहनीय सहयोग रहा। शिविर के आयोजन में अध्यक्ष आशा बिसारिया, महेश कठैरिया, प्रभाष चौधरी, सुशील सक्सेना सहित अन्य सदस्यगणों ने सहयोग किया।

विवेकानन्द फर्रुखाबाद, ब्रह्मावर्त : शाखा द्वारा 2 अक्टूबर को अग्रवाल

विवेकानन्द फर्रुखाबाद, ब्रह्मावर्त : शाखा का रक्तदान शिविर

धर्मशाला में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा एवं अध्यक्ष बृजेश गंगवार द्वारा किया गया। शिविर में रक्तदानियों ने उत्साहपूर्ण रक्तदान किया।

वरुणा वाराणसी, काशी प्रदेश : सूर्या सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल महमूरगंज में मैक्स साकेत हॉस्पिटल के प्रसिद्ध पीडिएट्रिक्स हार्ट सर्जन डॉ. नीरज अवस्थी की देखरेख में 11 निर्धन बच्चें को (दिल में छेद से ग्रसित) निःशुल्क ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया। समाजसेवी रमेश लालवानी, प्रो. डॉ. वी. पी. सिंह, डॉ. इन्दु सिंह व डॉ. नीरज अवस्थी द्वारा शिविर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष संजय गुप्ता, आलोक, शिवाजी, दीप्तिमान देवा, विवेक सूद, डॉ. पंकज सिंह आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जोधपुर, राजस्थान पश्चिम : शाखा एवं चिकित्सा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में चौपासनी क्षेत्र के तिल्वाड़िया चौराहा की गुजराती बस्ती में एक दिवसीय मोबाइल कोरोना वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन किया गया। शाखा अध्यक्ष डॉ. प्रभात माथुर और सचिव सुरेश चन्द्र भूतड़ा ने बताया कि शाखा द्वारा संचालित एम्बुलेंस में वैक्सीनेशन की सुविधाएँ उपलब्ध थीं। बस्ती के करीब 150 लोगों को प्रथम व द्वितीय, कोविशिल्ड एवं कोवैक्सीन की डोज लगाई गई। सह सचिव अजय माथुर और महिला प्रमुख शशि गोयल ने बताया कि बुजुर्गों, बीमार एवं चलने में असमर्थ लोगों को उनके घर पर जाकर वैक्सीनेशन किया गया। इस आयोजन में शाखा के दायित्वधारियों सहित सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

सांचोर : शाखा द्वारा संचालित दिव्यांग सहायता केन्द्र पर 50 दिव्यांगों को प्रशिक्षण प्राप्त तकनीशियन द्वारा निर्मित कृत्रिम अंग प्रदान किया गया। फिजियोथैरेपी सेन्टर के संचालक हस्तीमल मालाजी शाह, सेन्टर हॉल के निर्माण के लाभार्थी दाड़मी देवी पुखराज बोथरा फिजियोथैरेपी सेन्टर के माध्यम से 842 मरीजों का उपचार किया गया। मातुश्री छोगी देवी मिश्रीमल भंसाली प्राथमिक चिकित्सालय प्रकल्प द्वारा 1151 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवा वितरण की गई। सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा 123 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया। ■

सामाजिक न्याय बाल श्रम

कर्नाटक हाई कोर्ट ने ग्रामीण क्षेत्रों में बाल श्रम के बढ़ते मामले को देखते हुए इस कोविड कि परिस्थिति में राज्य सरकार को निर्देश देते हुए विद्यागम स्कीम को लागू करने को कहा। 2002 में टी.एम.ए.पाई. फाउण्डेशन बनाम यूनियन ऑफ इंडिया केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि"माता पिता या अभिभावक का मौलिक कर्त्तव्य है कि वो बच्चों को शिक्षित करें। और किसी भी बच्चे का मौलिक अधिकार है शिक्षा का अधिकार।" जिसके बाद 2009 में राइट टू एडुकेशन के तहत 6 से 14 वर्ष के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की गई।

अक्सर छोटे बच्चों को भीख मांगते या हाथ फैलाये रास्ते में, चौराहों पर, पुलों पर, मंदिरों में, होटलों के आगे आपने भी जरूर देखा होगा। भीख मंगवाना या बच्चों से काम करवाना अपराध है फिर भी हम बिना इस पर कुछ त्वरित करवाई के आगे बढ़ जाते हैं, इस तरह से हम सब अपनी सामाजिक और नैतिक दायित्व की अवहेलना करते हैं। हमारे द्वारा किया गया व्यवहार अपराध को बढ़ावा देती है और अपराधी निर्भीक होकर बच्चों का शोषण करते हैं और उन्हें बाल श्रम करने को मजबूर भी करते हैं।

आई.पी.सी. की धारा 363ए के तहत बच्चों के द्वारा भी मँगवाने पर 10 साल से आजीवन कारावास के प्रावधान है। लेकिन फिर भी स्थिति में कोई सुधार नहीं है और आज भी बच्चे भीख मांगते नज़र आते हैं। जहाँ तक बाल श्रम की बात है दुनियाभर में बाल श्रम एक गंभीर समस्या है। UNICEF की माने तो दुनियाभर में करीबन 10 मिलियन बच्चे बाल श्रम में लिप्त है। बाल श्रम के कारण बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास नहीं हो पाता है। जिससे उन्हें कई तरह की कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है और वे एक स्वस्थ जीवन नहीं जी पाते। इन सब समस्या को देखते हुए बाल संरक्षण और बाल श्रम को प्रबंधित करने का निर्णय लिया गया था।

भारतीय संविधान में दिए गए मूल अधिकार अध्याय के अनुच्छेद 24 में बाल श्रम को प्रतिबंधित किया गया है जिसमें 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ऐसी जगह काम पर न लगाये जाने का प्रावधान है जिससे उनका स्वस्थ प्रभावित होता है। बच्चों को संरक्षण देने के लिए और बाल श्रम निषेध के लिए 1986 में बाल श्रम प्रतिबंध कानून लाया गया। बाल श्रम कानून 1986 की धारा 3 के अनुसार बच्चों को किसी व्यवसाय, उद्योग, संस्थान में काम करवाना प्रतिबंधित किया गया। 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खतरनाक उद्योगों में काम करवाने पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया। जैसे कालीन उद्योग, भदोई उत्तर प्रदेश में बहुत सारे बच्चों से काम लिया जाता था, फिरोजाबाद के चुड़ी उद्योगों में बच्चों से काम करवाया जाता रहा है और ईंट भट्टों पर भी बच्चों को बंधुआ मजदूर बना कर काम लिया जाता है। जिससे उनको शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभाव झेलना पड़ता है और उनका विकास एक स्वस्थ और संतुलित नागरिक के तौर पे नहीं हो पाता है। पिपुल्स यूनियन फॉरडेमोक्रेटिक राइट्स बनाम यूनियन ऑफ इंडिया केस में जिसे एशियाई वर्कर केस के नाम से भी जाना जाता है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कंस्ट्रक्शन साइट पर 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का काम करना पूरी तरह से प्रतिबंधित करने का फैसला देते हुए कहा "किसी प्रकार का निर्माण कार्य में काम करना बच्चों के लिए खतरनाक होता है"। 2016 संशोधन के बाद 14 से 18 वर्ष के लिए भी हानिकारक उद्योगों में काम करना प्रतिबंधित किया जा चुका है। इस अधिनियम के धारा 7 में बच्चे अगर काम करते हैं तो उनके नियमों को तय किया गया है। जैसे वे सिर्फ तीन घंटे ही एक बार में काम कर सकते हैं। उन्हें साप्ताहिक छुट्टी दी जाएगी। शाम 7 बजे से सुबह 8 बजे तक उनसे काम नहीं लिया जाएगा। कई नियम कानूनी तौर पर बनाये गए ताकि बाल श्रम को रोका जा सके और बच्चों को शोषित होने से बचाया जा सके। नियमों के उल्लंघन करने वाले नियोजितों पर दंडात्मक करवाई करने का प्रावधान किया गया है जिसमें 6 महीने से लेकर 2 साल तक की सजा का प्रावधान किया गया है और साथ ही 20 हजार जुर्माने के भी प्रावधान किया गया है। फिर भी बाल श्रम आज भी बदस्तूर चल रहा है। कई लोग कम दिहाड़ी पर बच्चों का शोषण कर रहे हैं। जरूरत है कि प्रत्येक अपने सामाजिक दायित्व को समझे और अपने आस पास हो रहे बाल श्रम को लेकर जागरूक हों। उन बच्चों की मदद कर कानून का सहयोग करें। क्योंकि कानून आप तक नहीं पहुँचेगा आपको कानून तक पहुँचना होगा।

-नंदिता झा, अधिवक्ता

ॐ गुरुवें नमः

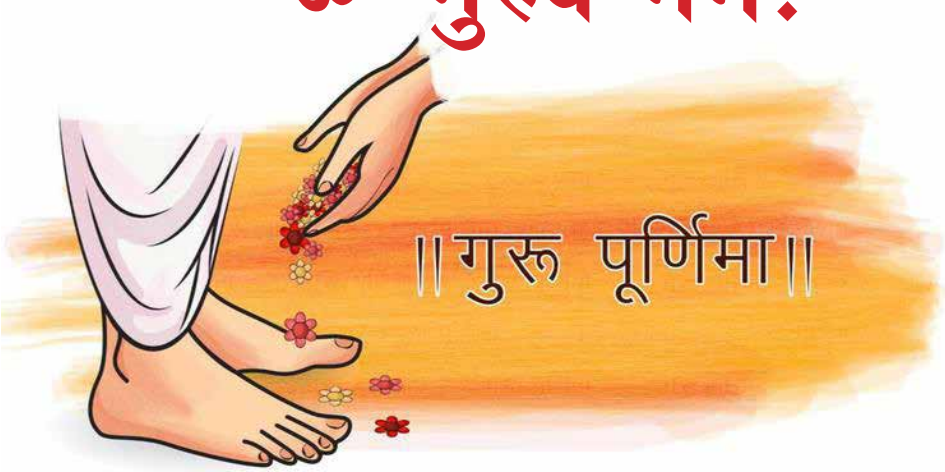

Badarpur, Assam : Branch organised GVCA Program.

Badarpur (Assam) : Branch organised GVCA function on the occasion of Teacher's Day at Maharishi Sandipan Vidyapeeth Auditorium. Branch Secretary briefly explained the purpose of the program. Thereafter, 11 teachers were felicitated with an Angabastra, Books on Swami Vivekananda and Pen for their exemplary service in the field of Education. Felicitated teachers expressed their gratitude towards Parishad and shared their views and emotions.

धनबाद, झारखण्ड : शाखा द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर, भूलि नगर के सभागार में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय द्वारा चयनित 5 गुरुजनों, विद्यार्थियों एवं 5 चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति देनेवाली 7 छात्राओं को शाखा अध्यक्ष, संजय जैन, सचिव किशन गोयल, संयोजक श्याम पसारी एवं सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया। योगेन्द्र तुलस्यान ने परिषद् की गतिविधियों पर प्रकाश डाला व संचालन प्रेम सिंहानिया द्वारा किया गया। विद्यालय परिसर में 25 फलदार पौधे लगाये गए।

गायत्री शाखा चाणक्यपुरी, मगध बिहार : शाखा द्वारा मानव भारती स्कूल, केन्दुई में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शाखा के अध्यक्ष डॉ. शान्ति सिंह ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को यह बतलाया कि गुरु के द्वारा बताए मार्ग पर चलने से अपार सफलता प्राप्त होती है। प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र कुमार, प्रान्तीय वित्त सचिव एवं स्कूल के प्राचार्य नूतन सिंह के द्वारा गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक

राजू सिन्हा एवं छात्रा श्रुति सिंह को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में स्कूल के निर्देशक संजय सिंह द्वारा सहयोग किया गया। धन्यवाद ज्ञापन सुमन जैन द्वारा किया गया कार्यक्रम में शाखा सदस्यों सहित प्रान्तीय महासचिव अमृतेश कुमार एवं उमेश कुमार उपस्थित रहे।

चण्डीगढ़ दक्षिण-1: स्थानीय सरकारी मॉडल हाई स्कूल एवं सरकारी मिडल स्कूल बुड़ैल में गुरु वंदन छात्र अभिनन्दन का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने गुरु शिष्य के पवित्र सम्बन्ध पर अपने-अपने विचार रखे व गीत-कविता प्रस्तुत किये। पी.के. शर्मा द्वारा बच्चों को शपथ दिलवाई गई व गुरु शिष्य की सनातन परम्परा से अवगत कराया गया। अन्य उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा शिक्षक दिवस पर चर्चा की गई। अध्यक्ष ने बच्चों को ऐसे कार्य करने के लिए प्रेरित किया जिनसे शिक्षक व माता पिता को गर्व हो। विद्यालय की प्राध्यापिका ने परिषद् द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की व एस.पी. सिंह ने स्कूल की तरफ से धन्यवाद प्रस्ताव प्रेषित किया।

रेवाड़ी, हरियाणा दक्षिण : शाखा द्वारा गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, गढ़ी बोलनी में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 32 बच्चों, 34 अध्यापक व अध्यापिकाओं तथा स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. रामपाल यादव को स्मृति चिन्ह व स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर आधारित साहित्य शाखा अध्यक्ष रमेश सचदेवा द्वारा सम्मानित की गई। कार्यक्रम के सह संयोजिका निशी सिंघल ने परिषद् का संक्षिप्त परिचय दिया। स्कूल के प्रधानाचार्य ने कार्यक्रम आयोजित करने के लिए परिषद् का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में 600 बच्चों की सहभागिता रही। रेवाड़ी जिले की शाखाओं द्वारा एवरेस्ट प्लाजा के पास भडावास गेट के प्रांगण में भी गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन का आयोजन किया गया। जिसमें 12 शिक्षक, विवेकानन्द शाखा द्वारा 2 शिक्षक, बावल शाखा द्वारा 1 और अन्य 2 शिक्षकों को आमंत्रित कर उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर, मोमेंटो और पेन देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि समाजसेवी पी.एन. भार्गव ने शिक्षक को महान समाज निर्माता बताया।शाखा सचिव दिनेश सैनी ने मुख्य अतिथि परिचय का कराया और अध्यक्ष रमेश सचदेवा और महिला संयोजिका ने स्वागत एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया।

बावला : शाखा ने संस्कार प्रकल्प के अन्तर्गत स्थानीय सूरज स्कूल में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि अशोक यादव तथा विशिष्ट अतिथि रमेश सचदेवा रहे। शाखा अध्यक्ष डॉ. प्यारेलाल ने स्वागत एवं रेवाड़ी शाखा सचिव दिनेश सैनी ने परिषद् के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्राओं द्वारा बहुत ही मनमोहक प्रस्तुति दी गई। प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ. आर.बी.यादव द्वारा संस्कार प्रकल्प के बारे में विस्तार से बताते हुए गुरु वंदन छात्र अभिनन्दन की विस्तृत जानकारी दी। समारोह में स्कूल स्टाफ, परिषद् सदस्य, लगभग 600 छात्र व छात्राएँ उपिस्थत रहे। उपस्थित सभी विद्यार्थियों को बड़ों का सम्मान करने व बुरी आदतों, विकारों से दूर रहने की शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर स्कूल के 20 शिक्षकों एवं 20 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। स्कूल प्रिंसिपल द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों को स्कूल का बैज देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में परिषद् पदाधिकारियों सहित सदस्यों की सराहनीय उपस्थिति रही।

देवबन्द, हस्तिनापुर : शाखा द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक एवं अभिभावक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता राजकुमार रावत ने किया जिसमें मुख्य वक्ता परवीर, विभाग प्रचारक जिला सहारनपुर, मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मंत्री अनुराग दुबलीश व रीजनल सचिव नरेश गोयल, संघ कार्यवाह योगेन्द्र गोयल, आशुतोष गुप्ता व अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला संयोजिका मेघा अग्रवाल व महिला मंडल की सदस्याओं द्वारा वन्देमातरम गायन द्वारा किया गया। सदस्याओं द्वारा शिक्षकों एवं अभिभावकों के सम्मान में सुन्दर गीत प्रस्तुत किये गये। मुख्य वक्ता परवीर ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा से ही राष्ट्र का निर्माण होता है। हमारा चरित्र और हमारे संस्कार हमारी उच्च शिक्षा के ही प्रमाण होते हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हम शिक्षकों और अभिभावकों को सम्मान कर रहे हैं। इस अवसर पर 11 श्रेष्ठ शिक्षकों एवं 40 अभिभावकों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय मंत्री अनुराग दुबलीश ने अपने उद्बोधन में परिषद् के कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अभिभावक हमारे प्रथम गुरु होते हैं, जो हमें जीवन की हर बात सिखाते हैं व शिक्षक शिक्षा देकर जीवन मे सफलता के मार्ग को प्रशस्त करते हैं।

अविरलगंगा रुड़की, उत्तराखण्ड पश्चिमः शाखा द्वारा केन्द्रीय विद्यालय नं.-1 खंजरपुर में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यालय के सात शिक्षकों जिनका 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम शत प्रतिशत रहा उन्हें 'अविरल उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान' से सम्मानित किया गया। विभिन्न विषयों एवं प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मोटिवेशनल किताबे एवं प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। संरक्षक प्रो. सत्येन्द्र मित्तल द्वारा परिषद् का संक्षिप्त परिचय एवं इसके पांच सूत्रों से अवगत कराया गया। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा ने गुरु शिष्य संबंध एवं नई शिक्षा नीति पर विस्तृत जानकारी दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य विपिन त्यागी ने कार्यक्रम के लिए परिषद् की प्रशंसा की।

विक्रमादित्य आगरा, ब्रज प्रदेश : शाखा द्वारा शिक्षक दिवस पर समाज में सराहनीय योगदान देने वाले जिले के शिक्षकों एवं पत्रकारों का सम्मान राष्ट्रीय संत परमहंस डॉ. अवधेशपुरी महाराज के पावन सानिध्य में किया गया। संयोजक डॉ. सी.पी. पाटीदार, प्रतीक व्यास एवं मुकेश पाटीदार ने बताया कि स्थानीय होटल प्रेसीडेंट में संरक्षक भगवान शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय संत भगवान शरण बापू जी का विशेष आशीर्वाद प्राप्त हुआ। सचिव आशीष सिंह चौहान एवं डॉ. बी. के. मालवीय ने बताया कि उन्नति फायनेंशियल सर्विसेस के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब नेशनल बैंक के मंडल प्रमुख पी. एस.राठौड, विशेष अतिथि प्रसिद्ध श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. मुस्तफा सिंगापुरवाला, डॉ. अजय मंडलोई, डॉ. शरद गोवा, राहुल साबू एचडीएफसी लि., जगदीश चंद्र तिवारी, एम.सुन्दरम अय्यर, एलआईसी एचएफ लि., एवं भरत तहिलियानी, बैंक ऑफ इंडिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर 30 पत्रकारों सहित 110 शिक्षकों का सम्मान किया गया। डॉ. सुनील शर्मा ने परिषद् का परिचय देते हुए अपने दो साल के कार्यकाल में किये गाए कार्यों की जानकारी प्रस्तुत किया। इस आयोजन में परिषद् के अनेक गणमान्य एवं सदस्य उपस्थित रहे।

अलीगढ़ मुख्य, ब्रज उत्तर : शाखा द्वारा श्री महेश्वर गर्ल्स इंटर कॉलेज में शाखा अध्यक्ष डॉ. गिरीश वार्ष्णेय की अध्यक्षता में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन का कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में अध्ययनरत 6 से 12 कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली सात मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। श्री महेश्वर इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य इन्दु गौतम सहित अन्य 7 शिक्षिकाओं को विशेष शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही 25 शिक्षिकाओ का छात्राओं द्वारा गुलाब पुष्प प्रदान कर अभिनन्दन किया गया। छात्राओं द्वारा अपने गुरुओं के सम्मान में गुरु वन्दन गीत, भाषण एवं नृत्य प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर सभी दायित्वधारियों ने शिक्षकों एवं छात्राओं को शुभकामनाएँ प्रेषित किया और अपने उद्बोधन में शिक्षक दिवस के महत्व एवं गुरु का समाज में स्थान पर प्रकाश डाला। शाखा सचिव डॉ. मीरा वार्ष्णेय ने शिक्षक शब्द का अर्थ समझाते हुए सफल संचालन किया। कोषध्यक्ष प्रदीप कुमार ने सभी का आभार प्रकट किया।

रामपुर, रुहेलखण्ड पश्चिम : शाखा द्वारा श्री सरस्वती हरि शिशु मंदिर, जूनियर हाई स्कूल सिविल लाइन्स में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन एवं हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष रवीन्द्र गुप्ता ने परिषद् का परिचय एवं सेवा कार्यों के बारे में अवगत कराया। संयोजक अमर सिंघल द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत 'हिन्दी को विश्व मान्यता प्रदान एक चिन्तन' विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रकल्प संयोजक राकेश अग्रवाल ने गुरु की आवश्यकता एवं महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में श्रेष्ठ शिक्षकों का सम्मान एवं मेधावी विद्यार्थियों को अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर प्रान्तीय अध्यक्ष जगन्नाथ चावला, महासचिव डॉ. गौरव वार्ष्णेय सहित अनेक दायित्वधारी उपस्थित रहे।

बजरंग कानपुर, ब्रह्मावर्त : शाखा द्वारा कमला वधावन इंटर कॉलेज में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 6 विद्यालयों के श्रेष्ठतम शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। शाखा अध्यक्ष पुष्पा अग्रवाल ने गुरु छात्र संबंध के विषय में अपने विचार व्यक्त किये। शाखा द्वारा आयोजित सांस्कृति सप्ताह के दौरान 6 विद्यालयों के मध्य आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक पुरस्कार जीतकर कौशल्या देवी इंटर कॉलेज की छात्राओं व शिक्षिकाओं ने बाजी मारी। सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को

पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एलआईसी के चीफ मैनेजर प्रदीप तिवारी व विशिष्ट अतिथि एफडीडीआई के निदेशक जितेन्द्र गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सचिव उदय कुमार रस्तोगी, उपाध्यक्ष डॉ. रवि जौहरी, कोषाध्यक्ष शैला गुप्ता सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

इटावा : शाखा के तत्वावधान में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 17 शिक्षक एवं 33 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रिपुदमन सिंह, उच्च शिक्षाधिकारी, कानपुर मंडल, विशिष्ट अतिथि अशोक त्रिपाठी, प्रान्तीय महासचिव व विवेक कुलश्रेष्ठ प्रान्तीय संरक्षक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्राचीन गुरु शिष्य परम्परा और आश्रम पद्धति से लेकर वर्तमान के अभिनव शैक्षिक प्रयासों के मध्य के समन्वय में आज भी चन्द्रगुप्त सरीखे शिष्यों का निर्माण करना चाणक्य जैसे शिक्षकों की महत्वपूर्ण रूप से नैतिक जिम्मेदारी है।

उरई, बुन्देलखण्ड : विनायक एकेडमी राठ रोड विद्यालय में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रान्तीय अध्यक्ष अजय इटोरिया ने भारत विकास परिषद् का संक्षिप्त परिचय एवं भूपेन्द्र कंथारिया ने गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन प्रकल्प पर प्रकाश डाला। प्रकल्प प्रभारी राजेश चन्द्र गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया। परिषद् द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को शाल, प्रशस्ति पत्र, रामचरित मानस, पेन, पट्टिका एवं फूल माला से सम्मानित किया गया। शाखा अध्यक्ष लखन लाल द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित जनों का सम्मान, भारतीय संस्कृति, रीति रिवाज, नैतिक मूल्यों, सामाजिक अधिकारों का पालन करने एवं नशीले प्रदार्थों का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर शाखा सदस्यों सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नीमच, मध्य भारत पश्चिमः शाखा द्वारा स्थानीय एनिमेट विद्यालय में शिक्षकों का सम्मान एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर प्रान्तीय अध्यक्ष सुनील सिंहल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शामगढ़ : शाखा द्वारा शासकीय हाई स्कूल खजूरी पंथ में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गरोठ भानपुरा क्षेत्र के विधायक देवीलाल धाकड़, स्कूल शिक्षा प्रभारी बी.एल. कारर्पेटर, सरपंच शिवनारायण राठौर, प्रान्तीय कोषाध्यक्ष विनोद काला सहित मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। भानपुरा क्षेत्र के विधायक ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीवन में आगे बढ़ना है तो अपना लक्ष्य तय करना जरूरी है। शाखा द्वारा कक्षा में प्रथम एवं द्वितीय आने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, वहीं गुरुओं को श्रीफल भेंट कर वन्दन किया गया। अतिथियों का स्वागत विद्यालय की ओर

नीमच, मध्य भारत पश्चिम : शाखा द्वारा गुरुओं का सम्मान एवं छात्रों का अभिनन्दन

भरतपुर, राजस्थान पूर्व : गुरुवन्दन एवं छात्र अभिनन्दन।

से प्राचार्य बी.एल. जांगड़े, शिक्षक कुशाल सिंह राठौर, प्रकाश शर्मा, संजय बंसल, योगेन्द्र दानगढ़, मनोरमा सोनी आदि द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भोपाल, मध्य भारत दक्षिण : महावीर एवं विवेकानन्द भोपाल शाखा के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 8 शिक्षकों एवं 40 छात्राओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी व बहुत ही सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया गया। स्वागत भाषण सुनील मंगल, विवेकानन्द शाखा, परिषद् परिचय रुचिता अग्रवाल, महिला प्रमुख महावीर शाखा व कार्यक्रम का संचालन दीपक मिश्रा, सचिव महावीर शाखा द्वारा किया गया।

मुंगेली, छत्तीसगढ़ : विद्यालय में अध्यापन करने वाले छात्र छात्राओं के मन में अपने गुरुओं के प्रति आदर और सम्मान का भाव उत्पन्न करने हेतु शाखा द्वारा शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय एवं जेसीज पब्लिक हायर सेकेण्डरी इंग्लिश मीडियम स्कूल में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, प्राचार्य उपस्थित रहे। शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्पर्क प्रमुख जेठमल कोटडिया, शाखा अध्यक्ष श्रीकान्त गोवर्धन, संरक्षक प्रो. अशोक गुप्ता, सचिव अशोक सोनी, कोषाध्यक्ष नवरतन जैन व सदस्यों द्वारा शिक्षकों व छात्रों को सम्मानित किया गया। शाखा अध्यक्ष ने कहा कि गुरु शिष्य परम्परा का निर्वहन करते हुए कृतज्ञ समाज का गुरुओं के प्रति सम्मान किया जाना हम सभी का कर्तव्य है।

संगरिया, राजस्थान उत्तर : शाखा द्वारा शिक्षा दिवस के उपलक्ष में कोरोना टीकाकरण शिविर एवं शिक्षकों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रान्तीय संगठन मंत्री डॉ. संजीव जिन्दल ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र निर्माता है जो बच्चों में शील, संस्कार, स्वाभिमान, राष्ट्रीयता, समाजसेवा, मानवता व परोपकार की भावना पैदा कर उन्हें राष्ट्र के जागरूक व प्रगतिशोध नागरिक बनाते हैं। इस अवसर पर शाखा द्वारा मदर्स प्राइड विद्यालय के व्यवस्थापक नगेन्द्र पाली, प्रधानाचार्य सतपाल खन्ना, गुरप्रीत सिंह कलसी व अन्य स्टाफ को सम्मानित किया गया। डॉ. संजय जिन्दल ने शिक्षक की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए विद्यालय द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन, भारत को जानो, रक्तदान शिविर, एंटी कोरोना शिविर व अन्य सेवा कार्यों में सक्रिय सहयोग हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर में प्रान्तीय सम्पर्क सह प्रमुख अरुण अरोड़ा, शाखा सचिव प्रदीप सिंगला, कोषाध्यक्ष आनन्द बागड़िया सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा। शिविर सहयोग

हेतु मदर्स प्राइड विद्यालय को सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया गया।

भरतपुर, राजस्थान पूर्व : शाखा द्वारा आदर्श विद्या मंदिर रणजीत नगर में शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कटारा ने सभी अतिथियों का स्वागत तथा परिचय कराया। विद्यालय के सभी अध्यापकों तथा चुन्नी लाल चावला माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिकाओं का शाखा सदस्यों द्वारा तिलक लगाकर, उपर्णा पहनाकर, नारियल एवं लिफाफा भेंट किया गया। दोनों विद्यालयों के होनहार छात्र-छात्राओं जिन्होंने परीक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया उन्हें तिलकर लगाकर, उपर्णा पहनाकर, ज्ञान उपयोगी पुस्तक तथा पेन प्रदान किया गया। इस अवसर पर परिषद् के सम्मानित दायित्वधारियों सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

ब्यावर, राजस्थान मध्य : शाखा द्वारा राजकीय पटेल उच्च माध्यमिक विद्यालय के हॉल में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रकल्प प्रभारी संजय जिन्दल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विद्यालय के प्राचार्य राजेन्द्र प्रजापति, मुख्य वक्ता परिषद् जिला अध्यक्ष दिलीप पारीक, शाखा संरक्षक लक्ष्मणदास गुरनानी, अध्यक्ष अनिल भराड़िया द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता दिलीप पारीक ने अपने भाषण में गुरु शिष्य की परम्परा के महत्व को विस्तार से समझाया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा सभी शिक्षक, छात्रों को श्रीफल, उपर्णा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लेखन प्रतियोगिता भी कराई गई जिसमें तीन चयनित अभ्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रशान्त पाबुवाल, आलोक गुप्ता, राजेन्द्र बड़गोती, लालचंद हेड़ा, व अन्य गणमान्य सदस्यों सहित शिक्षकगण, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पिण्डवाड़ा, राजस्थान पश्चिम : शिक्षक दिवस के अवसर पर सिरोही जिले के 100 शिक्षकों व सेवानिवृत शिक्षकों को तिलक, अपर्णा पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महावीर सिंह चौहान ने परिषद् एवं उसके उद्देश्य से सदन को परिचित कराया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रान्तीय नेत्र चिकित्सा प्रभारी डॉ. दिनेश पुरोहित, शाखा सचिव विजय प्रकाश गौतम, कोषाध्यक्ष भगवत सिंह पड़ियार सहित सदस्यगण ों का सराहनीय सहयोग रहा। राजस्थान शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष कानाराम प्रजापत ने भव्य समारोह आयोजन के लिए परिषद् परिवार का आभार व्यक्त किया। ■

ब्यावर, राजस्थान मध्य : शाखा द्वारा श्रेष्ठ शिक्षकों का सम्मान एवं श्रेष्ठ विद्यार्थियों का अभिनन्दन।

Karimganj, Assam : Branch distributed saree toneedy people.

Haflong, Assam : Branch organized "Bharat Ko Jano" quiz competition. A total of 69 students participated in the competition. Out of which, 32 participants were from Junior group and 37 participants from Senior group.

Karimganj : On the eve of Dugra Puja, branch distributed 70 Sarees among needy people of Putimara. In their speech, Branch president Nikhil Ranjan Das and secretary Bishwajyoti Dey urged the people to come forward for the upliftment of the society.

Dibrugarh: On 152nd Birth Anniversary of Mahatma Gandhi, a Mass Cleaning, Awareness Campaign and Disinfectant Spraying was done at Ghinai, Samuguri Panchayat area of Naharkatia Revenue Circle by the volunteers of Jagrata Gramin Samity of BVP Dibrugarh branch.

Patharkandi : Branch organised function on "World Environment Day" at Kanai Lal Jew Akhra, Kanai Bazar. In the program 30 saplings of different species were planted with proper protection. President, Secretary and members of branch were present on this occasion.

कोलकाता, पश्चिम बंगाल : कोलकाता एवं युवा गैलेक्सी शाखा के संयुक्त तत्वावधान में केस्टोपुर की सतरुपा पल्ली की एक बस्ती में शिक्षक दिवस के अवसर पर 60 बच्चों के मध्य लेखन सामग्री और खाद्य पैकेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के इस आयोजन प्रेरणा वर्मा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में राजीव कुमार बिलोटिया, अशोक अग्रवाल, रेणु बिलोटिया, पूर्वी डागा सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

Chandrasekharpur, Bhubaneswar, Odisha East : Branch organised a plantation programme in which 100 saplings of fruit trees were planted at Balunka tribal village. Branch also donated Rs 2,500/- for gas cylinder connection to the orphan at Raghurajpur. In another programme branch supplied Grocery items worth Rs 5,000/- each to Adruta Children Home and Sri Maa Anand Ashram, Damana.

Parkash, J&K : Branch, organized Ekal Geet Pratiyogita by virtual mode. In which from Jr.Group,

Shreedha Gupta (6th) and one from Sr.Group, Shambhavi Gupta (9th) were declared as winner. Ashok Gupta, Sanskar Parmukh J&K and Arun Sharma, National Secretary was present in the programme.

चण्डीगढ़ दक्षिण-1 : शाखा द्वारा सैक्टर 48 में तुलसी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 70 से अधिक पौधे जनसाधारण को वितरित किये गये। इस अवसर पर लोगों को तुलसी के महत्व के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में प्रान्तीय पदाधिकारी के.एल. चौहान, आर.सी.लुथरा, शाखा अध्यक्ष डॉ. एम.के. विरमानी, सचिव दविन्दर कपूर, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, अमरजीत गर्ग व कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

Chandigarh-North-II : Branch distributed more than 150 plants (Tulsi, Ajwain, Ashwagandha, Curry leaves and other herbal plants). On this occasion Subhash Goel, S.P. Malhotra, S.C Aggarwal and Suman Lata were present.

अमृतसर मुख्य, पंजाब उत्तर : शाखा द्वारा आयोजित संस्कृति सप्ताह के दूसरे दिन दुर्गियाना बड़ा हनुमान मंदिर में तुलसी पौधा वितरण समारोह अध्यक्ष ननीष बहल व प्रकल्प संयोजक जी.के. कालिया के अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर तुलसी के महत्व को बताते हुए लगभग 100 पौधे वितरित किये गये। कार्यक्रम में सुमित पुरी सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

मोहाली, पंजाब पूर्व : शाखा द्वारा संस्कृति सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके अन्तर्गत सदस्य प्रियंका कौशिक द्वारा गोल्डन बैजल पब्लिक स्कूल में नैतिक मूल्यों पर आधारित एक लैक्चर, रंगोली प्रतियोगिता, जतिन्दर कौर द्वारा इलैक्ट्रॉनिक गैजेट्स के फायदे और नुकसान' विषय पर लैक्चर व गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन का आयोजन किया गया। शाखा ने श्री सत्यनारायण मंदिर गाँव मटोर में कोरोना से बचाव हेतु 200 मास्क बांटे। सारागढ़ी युद्ध की 124वीं वर्ष गाँठ पर लैक्टर आयोजित किया गया जिसमें गुरदीप सिंह और अशोक पवार ने विषय संबंधित अपने विचार व्यक्त किये। सनातन धर्म मंदिर में ब्लड प्रेशर जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 65 लोगों ने अपनी जांच करवाई।

नंगल : शाखा सदस्य एवं रीजनल सचिव के.के.सूद द्वारा गाँधी एवं शास्त्री जयन्ती के अवसर पर स्थानीय शिवालिक एवन्यू रिहायशी में घर-धर जाकर कूड़ा एकत्रित कर जीवन व्यतीत करने वाले सफाई कर्मचारियों को अपने निवास पर जलपान के साथ सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि पूरे समाज द्वारा पैदा किये कूड़े को व्यवस्थित ढ़ंग से निष्कासित करने की प्रक्रिया में जुड़े सभी सफाई सेवक वन्दनीय हैं। लोगों से अनुरोध किया कि गली-मोहल्लों, सड़को, नहरो-नदियों और नालों में गंदगी न फैलाये।

Moga, Punjab South : North-1 Region Executive Committee meeting held at Shahidi Park Moga. Shri Suresh Jain, National Organising Secretary specially attended the meeting along with other National and Regional members. Besides organizational matters all National Projects were discussed and dates and venues for various projects were finalized. Suresh Jain, National Organising Secretary in his address stressed on the need of innovative ideas as per local requirements. Various

मोगा, पंजाब दक्षिण : रीजनल कार्यकारिणी बैठक में सम्मिलित दायित्वधारीगण।

branches should undertake Sewa projects based on local needs for which he also assured help from Central Office. He called for all members to do selfless service to the needy people.

अम्बाला शहर, हरियाणा उत्तर : सांस्कृतिक पखवाड़े के तहत नगर शाखा ने श्री राधे लाल गीता विद्या मंदिर में कार्यक्रम संयोजक अरविन्द कौशिक के सहयोग से बायोलॉजी और केमिस्ट्री की लेबोरेटरी की स्थापना के लिए मॉडल एवं अन्य उपकरण भेंट किये। इन उपकरणों की सहायता से विद्यालय को +2 की अप्रूवल लेने में सहायता मिलेगी एवं स्कूल के बीपीएल बच्चों को बेहतर शिक्षा का मौका मिलेगा। लेबरोटरी के उपकरण काफी महंगे होते हैं, इसलिए बड़े या प्राइवेट स्कूल तो अपने विद्यार्थियों को सुविधा दे पाते हैं, पर छोटे स्कूल अथवा आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण स्कूल लेबोरेटरी स्थापित नहीं कर पाते। ऐसे में विद्यार्थी अपने स्कूल जीवन काल में प्रैक्टिकल से वंचित हो जाते हैं। कार्यक्रम में संरक्षक कुलदीप जैन, नरेश मित्तल, कमल गोयल, प्रदीप स्नेही अध्यक्ष सतीश जिन्दल, पी.के. अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। स्कूल मैनेजमेंट ने भा.वि.प. के इस सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

लाडवा : शाखा द्वारा गत विगत माह में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें होटल पर्ल मार्क रेलवे रोड पर तीजोत्सव का आयोजन किया गया। राखी के उपलक्ष्य में बच्चों में राखी बनाओं प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने सुन्दर-सुन्दर राखियां बनाकर सैनिको को भेजी। अनाज मंडी में कोरोना वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 400 व्यक्तियों को पहली एवं दूसरी डोज लगाई गई। खेड़ी रोड स्थित अनाथ आश्रम में फल वितरण किया गया। पिपली रोड गौलशाला में गौ सेवा का कार्यक्रम किया गया। संजय गाँधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में पौधारोपण किया गया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शाकुंभरी देवी मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया।

शाखा द्वारा गत विगत माह में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें होटल पर्ल मार्क रेलवे रोड पर तीजोत्सव का आयोजन किया गया। राखी के उपलक्ष्य में बच्चों में राखी बनाओं प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने सुन्दर-सुन्दर राखियां बनाकर सैनिको को भेजी।

Vivek Ambala Cantt (Haryana North): Surbhi Verma, D/O Senior members of branch (Sudhir Verma), working at Google for the past eight years and is currently the Global Strategy and Operations lead at Google headquarters in California, USA, conducted workshop at DAV Public School Ambala Cantt for the students of 10th and 12th. The students listened and cleared their doubts related to the careers. The Principal, Dr Seema Dutt congratulated her on being an inspiration for other students. Sushma Singh, president of the branch, Sunita Verma, O.N.Bhalla, D.P.Gulati, Jaideep Sethi, Madan Singh were present in the workshop.

घरौंडा : शाखा द्वारा संस्कृति पखवाड़े के अन्तर्गत जन्माष्टमी उत्सव को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पालकी यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संदीप गुप्ता, एमडी, रहे। कार्यक्रम में शाखा सदस्यों के नन्हे-मुन्ने बच्चे कन्हैया, राधा रानी का स्वरूप बनकर आए। बच्चों की सुन्दर-सुन्दर झाँकियाँ निकाली गई। शहर के सभी लोगों ने इस कार्यक्रम की सराहना की। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि शाखा का यह कार्यक्रम बहुत प्रशंसाजनक है। इस तरह के कार्यक्रम अपनी संस्कृति को मजबूत करती है। नगर के समाजसेवी संजय गर्ग के मुख्यातिथ्य में सेंचुरी स्कूल में सम्पन्न स्केटिंग प्रतियोगिता में स्थानीय स्कूलों के 65 बच्चों ने सहभागिता की। विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

हरियाणा पश्चिम : प्रान्तीय कार्यकारिणी की बैठक फतेहाबाद शाखा के आतिथ्य में सम्पन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन, राष्ट्रीय

मंत्री के.के. अरोड़ा, राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन, समग्र ग्राम विकास महिपाल यादव, राष्ट्रीय सदस्य संस्कार सी.पी. आहूजा, रीजनल सचिव राजकुमार मित्तल, रीजनल सचिव संस्कार परमजीत पाहवा, रीजनल सचिव सम्पर्क सुरेन्द्र लाहोरिया,, रीजनल सचिव महिला एवं बाल विकास अनुपमा अग्रवाल आदि का सानिध्य रहा। बैठक में प्रान्त की 35 शाखाओं से 223 सदस्यों की सहभागिता रही। सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन का ओजस्वी व मर्मस्पर्शी वक्तव्य ने सच में आईना दिखा गया। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि परिषद् के कार्यक्रमों में कम से कम औपचारिकता हो। परिषद् समाज को संस्कारित करने वाली सबसे बड़ी संस्था है, समाज में सकारात्मक बदलाव लाना, समाज को अच्छा बनाना परिषद् का उद्देश्य है, हम सर्वस्पर्शी समभाव के साथ समाज के सभी अंगों-उपांगो को साथ लेकर चलें। वास्तविक सेवा संवेदना से होती है, हृदय में संवेदना नहीं है तो सेवा नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि समाज को सुधारना है तो हम अपने परिवार में अपनी बहन-बेटियों के आत्म सम्मान, आत्म विश्वास, आत्म निर्भरता और उत्तम स्वास्थ्य का ध्यान रखें। इस अवसर पर जिला अध्यक्षों एवं प्रान्तीय महासचिवों ने पीपीटी के माध्यम से रिपोर्ट प्रस्तुत किया। बैठक में प्रान्तीय अध्यक्ष जियालाल बंसल, प्रान्तीय वित्त सचिव कमलेश गर्ग, कार्यकारिणी के सभी सदस्य, प्रान्तीय संयोजक, जिलाध्यक्ष, जिला सचिव, जिला महिला प्रमुख, व अन्य सहित 35 शाखाओं के दायित्वधारी उपस्थित रहे।

महेन्द्रगढ़, हरियाणा दक्षिण : शाखा द्वारा स्थानीय गौशाला धौलपोश में वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत 200 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। शाखा अध्यक्ष हरि सिंह यादव ने बताया कि गौशाला में एक वाटिका का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें अनेक प्रकार के छायादार वृक्ष लगाने की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में शाखा संरक्षक व जिला अध्यक्ष विश्वनाथ मिश्रा, नत्थू राम, हरिराम खन्ना सहित अनके सदस्य उपस्थित रहे।

महम, हरियाणा मध्य : शाखा ने समाज सेवा करते हुए अपना 25 वर्ष की यात्रा पूर्ण कर रजत जयन्ती महोत्सव मनाया। इस अवसर पर शाखा के 24 वर्ष की विकास यात्रा पर आधारित एक पुस्तक 'अतीत के झरोखे से' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक बलराज कुंडू, विशिष्ट अतिथि पवन गोयल, विजय मित्तल और विपुल सिंगला रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री राजकुमार अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर शाखा ने बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय चेयरमैन संस्कार चन्द्रसेन जैन, रीजनल सचिव रमेश सिंगला, अनिल मोहन मंगला, एस.एन बंसल, महिला एवं बाल विकास सचिव निधि जैन, प्रान्तीय संगठन मंत्री नरेश जैन, प्रान्तीय महासचिव विजय रोहिल्ला, उपाध्यक्ष सुशील गुप्ता, महिला संयोजिका गीता गुप्ता शाखा के सभी सदस्य परिवार उपस्थित रहे।

फतेहाबाद, हरियाणा पश्चिम : प्रान्तीय कार्यकारिणी बैठक में उपस्थित दायित्वधारीगण।

ग्रेटर कैलाश, दिल्ली दक्षिण : शाखा द्वारा रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ. सुशील गाँधी ने कुछ रोगियों के रिश्तेदार महिलाओं से राखी बंधवाई और उनको वचन दिया कि उनके संबंधी रोगियों की हर संभव मदद की जाएगी। शाखा ने 70 वर्षीय एक जरूरतमंद महिला का मोतियाबिन्द का ऑपरेशन करवाया गया।

योग मेरठ, हस्तिनापुर : शाखा द्वारा श्रीनाथजी गौरी शंकर महादेव मंदिर रेलवे रोड चौराहा पर भगवान कृष्ण जी की छठी पर भंडारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रान्तीय चेयरमैन सुबोध गर्ग एवं सहपत्नी सभी सदस्यों ने भाग लिया। भगवान के भोग के बाद कढ़ी चावल एवं खीर का वितरण किया गया।

मेरठ मेन : शाखा ने अपने सदस्यों के घर जन्माष्टमी के दिन जन्म लेने वाली कन्याओं को राधा के रूप मानते हुए सम्मानित किया। शिक्षक दिवस पर ऑन लाइन भारत को जानो प्रतियोगिता आयोजित की गई। संस्कृति सप्ताह के अन्तर्गत सम्पर्क अभियान एवं तुलसी पौधा वितरण किया गया। सरस्वती मंदिर विद्यालय पूर्वा महावीर पर वर्षा जल संचय के उद्देश्य से सम्पूर्ण वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनवाकर विद्यालय समिति को समर्पित की गई। राधा अष्टमी के पावन अवसर पर गौशालाओं में गौ सेवा कार्यक्रम किया गया।

विवेक मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा संस्कृति सप्ताह के अन्तर्गत शहर स्थित गौशाला में गौ पशुओं को हरा चारा उपलब्ध कराया गया साथ ही चिकित्सकों की टीम द्वारा बीमार पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार हेतु निःशुल्क दवाईयाँ उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रदेश सह संयोजक मोहन तायल ने कहा कि वर्तमान में बढ़ती जरूरतों के मद्देनजर गौ पशुओं की देखभाल की सबसे बड़ी आवश्यकता है। गौशालाएँ साधन व वित्त विहीन है जिसके चलते गौ पशुओं के लिए भोजन मुश्किल से उपलब्ध हो पा रहा है। उन्होंने परिषद् की इस नई पहल का स्वागत करते हुए सभी से पशुधन सेवा का आह्वान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ व्यापारी नेता अजय सिंघल व जिला अध्यक्ष अचिन कंसल ने पशुओं के स्वास्थ्य संबन्धी टिप्स दिये तथा पशु शिविर में उठाई गई समस्याओं का निपटारा भी किया। कार्यक्रम का संचालन शाखा उपाध्यक्ष राजीव गर्ग एवं वरिष्ठ सदस्य अजय गर्ग ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सुधीर गर्ग, कोषाध्यक्ष अमित सिंघल, पवन सिंघल, डॉ. आर.के. सिंह सहित अनेक सदस्यगणों का सहयोग रहा।

शाखा द्वारा संस्कृति सप्ताह के अन्तर्गत शहर स्थित गौशाला में गौ पशुओं को हरा चारा उपलब्ध कराया गया साथ ही चिकित्सकों की टीम द्वारा बीमार पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार हेतु निःशुल्क दवाईयाँ उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रदेश सह संयोजक मोहन तायल ने कहा कि वर्तमान में बढ़ती जरूरतों के मद्देनजर गौ पशुओं की देखभाल की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

सम्राट मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा संस्कृति सप्ताह के अन्तर्गत शहर के गौशाला नदी रोड में गौ सेवा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में शिशुकान्त गर्ग, प्रान्तीय चेयरमैन गऊ सेवा प्रकल्प एवं राम कुमार तायल प्रान्तीय मार्गदर्शक का सानिध्य रहा। अतिथियों का स्वागत शाखा संस्थापक परमकीर्ति शरण अग्रवाल, अध्यक्ष सुनील गर्ग एवं अजय अग्रवाल ने पटका पहनाकर किया। महिला सदस्यों द्वारा गाय माता की पूजन कर गायों को हरा चारा, चोकर खिलाकर पुन्य प्राप्त किया। शिशु कान्त गर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिन्दू धर्म में गाय सेवा को सर्वोपरि माना गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रभा अग्रवाल, वीणा मित्तल, सुमन अग्रवाल सहित अनेक सदस्यों का सहयोग रहा। सचिव डॉ. नितिन जैन से सभी अतिथियों व सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

मोदीनगर, पश्चिम उत्तर प्रदेश : शाखा द्वारा सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत पुस्तक बैंक की स्थापना कर गरीब बच्चों को पुस्तकें उपलब्ध कराई गई। एक गरीब कन्या के विवाह में आवश्यक घरेलू सामान भेंट की गई। वृद्धाश्रम में आश्रितों को सम्मान सहित राशन उपलब्ध कराया गया और उनकों भोजन भी कराया गया। कोरोना काल में 28 परिवारों को भोजन सामग्री वितरित की गई।

समर्पण रुड़की, उत्तराखण्ड पश्चिम : शाखा की महिला सशक्तिकरण द्वारा स्थाई प्रकल्प के अन्तर्गत कीर्ति नगर (ढंडेरा) में दूसरा सिलाई केन्द्र का शुभारंभ किया गया जिसमें 12 महिलाओं ने सिलाई प्रशिक्षण प्रारंभ किया। शाखा द्वारा केन्द्र की प्रशिक्षका रोशनी को 9 सिलाई मशीन, सिखाने के लिए कपड़ा व अन्य सामग्री भेंट की गई। प्रोजेक्ट चेयरमैन हर्ष प्रकाश काला ने सभी सदस्यों तथा उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया एवं कन्वीनर अनिता गुप्ता ने भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ. सुनील शर्मा, रश्मि जैन,

डॉ. सुधीर चौधरी, वीना सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। शाखा अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह प्रकल्प महिलाओं को आत्म निर्भर बनने में सहायक होगा।

अन्पूर्णा आगरा, ब्रज प्रदेश : शाखा द्वारा सम्पर्क प्रकल्प के अन्तर्गत संस्कृति माह कार्यक्रमों की श्रृखला में मातृशक्ति एवं बच्चों के बीच रंगोली, पाक कला, पूजा थाल, मेंहदी, चित्रकला आदि प्रतियोगिताएँ शुभ मंगल वेंकट हॉल, कमला नगर में आयोजित की गई। कार्यक्रम में एबीएल टुर्नामेंट के विजेताओं को एवं जन्माष्टमी पर आयोजित हिंडोला सजावट प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रान्तीय अध्यक्ष प्रमोद सिंघल, मार्गदर्शक विनय सिंघल, प्रान्तीय संयोजिका अंजू सिंघल, प्रकल्प प्रभारी नेम कुमार जैन, गुंजन अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल, जिला चेयरमैन आगरा, धर्म गोपाल मित्तल सहित शाखा के दायित्वधारी उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानन्द भरथना, ब्रह्मावर्त : शाखा के तत्वावधान में छोला मंदिर स्थापित राम दरवार के प्रांगण में पर्यावरण को शुद्ध एवं सौंदर्य बनाये रखने के लिए छायादार तथा फलदार पौधों का रोपण किया गया। पौधारोपण उपरान्त परिषद् द्वारा महिला शिक्षकों को प्रतिक चिन्ह देकर तथा एन.एस.बी. पब्लिक स्कूल की संचालिका राजश्री भदोरिया द्वारा सेवानिवृत पूर्व प्रधानाचार्य सी.के. शुक्ला को उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष अंकुर पुरवार, सचिव अनिल कुमार श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, महिला संयोजिका जया वर्मा व अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

पांचाल फर्रुखाबाद : शाख द्वारा संस्कृति सप्ताह के अन्तर्गत सिटी मिशन गर्ल्स इंटर कॉलेज में मेंहदी, मदन मोहन कानोड़िया इंटर कॉलेज में थाल सजाओ, एन.ए.के.पी.गर्ल्स इंटर कॉलेज में चित्रकला, सरस्वती विद्या मंदिर मे रंगोली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिषद् परिवार के सेवानिवृत शिक्षकों का माल्यार्पण कर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रान्तीय सेवा उपाध्यक्ष कन्हैयालाल जैन, अध्यक्ष राजीव पुरवार, सचिव अवधेश दीक्षित, कोषाध्यक्ष आलोक रायजादा, प्रान्तीय संयुक्त प्रभारी आलोक गुप्ता सहित अन्य दायित्वधारी उपस्थित रहे।

शाखा के तत्वावधान में छोला मंदिर स्थापित राम दरवार के प्रांगण में पर्यावरण को शुद्ध एवं सौंदर्य बनाये रखने के लिए छायादार तथा फलदार पौधों का रोपण किया गया। पौधारोपण उपरान्त परिषद् द्वारा महिला शिक्षकों को प्रतिक चिन्ह देकर तथा एन.एस.बी. पब्लिक स्कूल की संचालिका राजश्री भदोरिया द्वारा सेवानिवृत पूर्व प्रधानाचार्य सी.के. शुक्ला को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

प्रयाग : शाखा द्वारा हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बोलते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष आचार्य कृपाशंकर पाण्डेय ने कहा कि हिन्दी धीरे-धीरे वैश्विक परिदृश्य को प्राप्त कर रही है। यह बोलियों के संघात से बनी है। भारतेन्द्र ने हिन्दी के नई चाल में ढ़ली होने की घोषणा की थी और उसके बाद से लगातार मानवीय चेतना के वाहक के रूप में और देश की भावनाओं की अभिव्यक्ति की भाषा के रूप में हिन्दी सोपानक्रमिक विकास को प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि बिना निज भाषा के दुनिया में कोई भी जाति गौरव और श्रेष्ठता बोध को प्राप्त नहीं कर सकता। संयोजिका डॉ. अल्पना अग्रवाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति भारतीय भाषाओं के लिए संजीवनी लेकर आई है। हमारा ईमानदारी भरा प्रयत्न भारत को विश्व में स्थान दिलाएगा। संचालन इलाहाबाद विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग के डॉ. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि भाषा हृदय की अभिव्यक्ति का साधन है, यह जितनी समर्थ होगी, कला और विज्ञान में हमारे मन की अभिव्यक्ति उतनी ही सुन्दर होगी। धन्यवाद ज्ञापन जी.के.खरे ने किया।

सत्यम्, काशी प्रदेश : शाखा ने सेवा एवं संस्कृति माह के अन्तर्गत अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें अन्नदान, गौ सेवा, वनवासी सेवा, तुलसी पौधा वितरण, रुद्राभिषेक, गोद भराई, खिचड़ी खिलाओ, स्वाधीनता दिवस एवं पौधारोपण, बाढ़ राहत सेवा, एनीमिया, कुपोषण, स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, वनवासी सेवा एवं रक्षा बंधन, तीज महोत्सव आदि कार्यक्रम सम्पन्न किये गये।

महिला चौक लखनऊ, अवध प्रदेश : शाखा द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर 'कान्हा के संग' वस्त्र वितरण का आयोजन सरांय माली खां में बच्चों के मध्य किया गया। कार्यक्रम में कान्हा की अठखेलियों के साथ स्थानीय जरूरतमंद 38 बालकों को कमीज व मास्क का वितरण किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्षा कुमारी कंचन व सचिव सहित अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

महिला चौक लखनऊ, अवध प्रदेश : शाखा द्वारा जरूरतमंद बच्चों में ड्रेस वितरण।

शामगढ़, मध्य भारत पश्चिम : शाखा द्वारा बरसाना गौशाला मे वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया जिसमें 151 पौधे ट्री गार्ड सहित लगाये गये। गौशाला में गायों को गुड़ और चारा दिया गया। इस अवसर पर प्रान्तीय कोषाध्यक्ष विनोद काला, पूर्व अध्यक्ष मुकेश दानगढ़, मनोज जैन, शाखा अध्यक्ष प्रमोद गुजराती सहित सदस्यगण उपस्थित रहे। प्रान्तीय कोषाध्यक्ष विनोद काला के बड़े भाई स्व. ओम प्रकाश काला एरिया वाले की स्मृति में जल मंदिर का शुभारंभ संत श्री रामजी राम महाराज मचलाना धाम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में गरोठ-भानपुरा के विधायक देवीलाल धाकड़, नानालाल अटोलिया, प्रदीप अग्रवाल, राष्ट्रीय मंत्री, प्रान्तीय अध्यक्ष सुनील सिहल, प्रदीप चोपड़ा, प्रान्तीय महासचिव, विनय मालपानी, प्रान्तीय उपाध्यक्ष, प्रान्तीय संगठन मंत्री मयंक अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। अतिथि का स्वागत एवं स्मृति चिन्ह एरिया वाला परिवार के वरिष्ठ सदस्य बंसीलाल काला, रमेशचन्द काला, मुकेश काला, विनोद काला सहित अन्य प्रान्तीय एवं शाखा दायित्वधारियों द्वारा प्रदान किया गया।

शामगढ़, मध्य भारत पश्चिम : शाखा द्वारा जल मंदिर का शुभारंभ

कार्यक्रम में आर्मी ट्रेनिंग अकेडमी के बच्चों, स्कूली बच्चों, खिलाड़ियों एवं

नागरिकों के मध्य 1600 मीटर का मैराथन दौड़ आयोजित किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिये गये।

हरसिद्धि उज्जैन : शाखा द्वारा कृष्ण जनमाष्टमी के अवसर पर नन्ने मुन्ने बालक बालिकाओं द्वारा श्रीकृष्ण भगवान पर आधारित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने उत्साह से भाग लिया।

भिंड, मध्य भारत उत्तर : 2 अक्टूबर, 2021 को महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती के अवसर पर भिंड जिला में प्रान्त की 20वीं नई शाखा 'महिला जागृति' का गठन किया गया। शाखा गठन में प्रान्तीय संयोजक कार्यशाला का विशेष सहयोग रहा। शाखा के दायित्व ग्रहण समारोह की अध्यक्षता प्रान्तीय महासचिव अमित जैन ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय डी.एस.पी. सुश्री पूनम थापा के साथ महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष कृष्णकान्ता तोमर उपस्थित रहीं। नवीन शाखा के अध्यक्ष के रूप में आभा जैन, सचिव के रूप में दिव्य श्रीवास्तव तथा कोषाध्यक्ष के रूप में अरुणा पाठक ने दायित्व ग्रहण किया। विज्ञान भारती की राष्ट्रीय पदाधिकारी डॉ. उमा शर्मा को संरक्षक नियुक्त किया गया। नवीन शाखा के गठन पर समस्त प्रान्तीय कार्यकारिणी तथा राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ।

हरसिद्धि उज्जैन : शाखा का जन्माष्टी पर फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता सम्पन्न।

बहरोड़, राजस्थान उत्तर पूर्व : पर्यावरण में असंतुलन को देखते हुए शाखा ने 11000 वृक्ष लगाने का संकल्प लिया है। इस कड़ी में शाखा के सम्मानीय सदस्यों एवं अन्य के द्वारा वृक्षारोपण किया गया जिसके अन्तर्गत सदस्य डॉ. पवन यादव द्वारा 101, सदस्य मुकेश यादव ने कानोड़ा हनुमान मंदिर में 51, परिषद् द्वारा गोद लिए रीको पार्क में सीनियर रीजनल मैनेजर एस.सी. द्वारा 11, राजकीय महाविद्यालय बहरोड़ में राजेश मेहता द्वारा 51, राकेश मुच्छल द्वारा नीमराणा स्थित माता मंदिर में 51 वृक्षों का रोपण किया गया। राजेश मेहता द्वारा कानूडा हनुमान मंदिर में 21 वृक्ष, एवं दो सीमेंट की बेंच सप्रेम भेंट की गई। सभी पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी सदस्यों ने स्वयं ली। लीलू यादव द्वारा हरि ज्वार कुड़ी गौशाला मोहम्मदपुर पहाड़ी के लिए दो ट्रोली भेंट की गई। डॉ. सूरज प्रकायश क्लब द्वारा रैली निकाल कर शहर वासियों से पर्यावरण को सुरक्षित एवं स्वच्छ करने के लिए संदेश दिया गया।

जयपुर महानगर : शाखा द्वारा एक स्थाई प्रकल्प 'डॉ. सूरज प्रकाश आयुष केन्द्र' का संचालन 89, गणेश नगर, जगदीशपुरी, हिन्दुस्थान इंटरनेशनल अकेडमी के पास किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय मंत्री हेमंत जोशी, प्रान्तीय अध्यक्ष राजीव शरण सक्सेना, प्रान्तीय महासचिव रणवीर सिंह त्यागी, प्रान्तीय भवन निर्माण समिति अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता, प्रान्तीय संगठन मंत्री ओम प्रकाश रावत सहित शाखा के दायित्वधारी व

महिला जागृति-भिंड, मध्य भारत उत्तर : प्रान्त की नवीन शाखा 'महिला जागृति' भिंड का दायित्वग्रहण मुख्य अतिथि का उद्बोधन।

सदस्य उपस्थित रहे। सदस्य परिवारों के लिए एक दिवसीय वन विहार एवं भारत माता पूजन का आयोजन किया गया। शाखा अध्यक्ष महेन्द्र कुमार अग्रवाल ने सभी का अभिनन्दन किया। तत्पश्चात प्रान्तीय भवन निर्माण समिति अध्यक्ष एवं प्रान्तीय संगठन मंत्री ने खुले सत्र में बोलते हुए सभी सदस्यों से वर्तमान परिस्थिति में अपने कर्तव्य का निर्वहन करने एवं परिषद् से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आग्रह किया। कार्यक्रम में मनोरंजक खेलकूद, वन भ्रमण, पौधारोपण, गीत संगीत, अंताक्षरी, भजन, देशभक्ति से ओत प्रोत गीत एवं भारत माता पूजन के कार्यक्रम किये गये। कार्यक्रम में 88 सदस्यों ने पूर्ण सहभागिता करते हुए भरपूर आनन्द लिया। शाखा द्वारा 'अफगानिस्तान समस्या एवं भारत' विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में मेजर जनरल अनुज माथुर ने विषय की बारीकियों को समझाया एवं भारत के लिए उपलब्ध समाधानों का जिक्र किया। मुख्य अतिथि मेजर जनरल प्रभु सिंह राठौड़ ने भी विषय पर प्रकाश डाला। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने वालों का सम्मान किया गया।

रानी लक्ष्मीबाई कोटा, राजस्थान दक्षिण पूर्व : शाखा द्वारा स्थाई प्रकल्प 'कन्या गोद' के अन्तर्गत सात बालिकाएँ व दो बालक को शिक्षार्थ गोद लिए गए। शाखा अध्यक्ष सोलन गोयल ने बताया कि गत तीन वर्षों में शाखा परिवार ने 21 बालक-बालिकाओं को गोद लिया है। शाखा उन परिवारों को इंगित करती है जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती, या फिर वो परिवार किसी न किसी त्रासदी के शिकार होते है। सभी बच्चों को स्कूल बैंग, शिक्षार्थ सामग्री व 500/- रुपये भेंट किये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जे.डी. पटेल, समाज सेवक व विशिष्ट अतिथि सारिका मित्तल, प्रान्तीय समूहगान सह प्रभारी उपस्थित रहे।

जोधपुर मुख्य, राजस्थान पश्चिम : शाखा एवं चिकित्सा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में खण्डेलवाल भवन 16 सैक्टर चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड में निःशुल्क कोरोना वैक्सीनेश शिविर सम्पन्न हुआ। शाखा अध्यक्ष डॉ. प्रभात माथुर और सचिव सुरेश चन्द्र भूतड़ा ने बताया कि शाखा के 14वें वैक्सीनेशन शिविर में 300 लोगों को प्रथम और द्वितीय डोज लगाई गई। राष्ट्रीय मंत्री सेवा अनिल गोयल और प्रान्तीय अध्यक्ष जगदीश प्रसाद शर्मा ने शिविर आयोजन हेतु सी.एम.एच.ओ. डॉ. बलवन्त मंडा, आर.सी.एच.ओ. डॉ. कौशल दवे, डॉ. निखिल माथुर और डॉ. संदीप सोनी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस आयोजन में राष्ट्रीय, प्रान्तीय एवं शाखा दायित्वधारियों सहित सदस्यों तथा देव नगर पी.यू.सी. टीम का सराहनीय योगदान रहा।

शाखा एवं चिकित्सा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में खण्डेलवाल भवन 16 सैक्टर चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड में निःशुल्क कोरोना वैक्सीनेश शिविर सम्पन्न हुआ। शाखा अध्यक्ष डॉ. प्रभात माथुर और सचिव सुरेश चन्द्र भूतड़ा ने बताया कि शाखा के 14वें वैक्सीनेशन शिविर में 300 लोगों को प्रथम और द्वितीय डोज लगाई गई।

समर्पण, मुम्बई महाराष्ट्र : शाखा द्वारा दहाडू तालुका के स्कूलों में 1389 छात्रों को नोटबुक, 655 छात्राओं को सैनिटरी नैपकिन तथा 600 बच्चों के लिए चप्पलों का वितरण किया गया। इन स्कूलों में निर्मला कौशिक द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रान्तीय अध्यक्ष जे.पी.बियाला सहित बाबा सिंह, शालिनी चौधरी, रीता प्रकाश, गीता प्रकाश आदि उपस्थित रहे। इस आयोजन में शशि कला, दीप्ति चौधरी, रवि प्रकाश का सराहनीय योगदान रहा। मुम्बई की जे.बी.नगर और फिल्म सिटी शाखाओं द्वारा वनवासी क्षेत्र में लगभग 20 वर्षों से स्कूलों में भवन निर्माण तथा प्राथमिक सुविधाओं के लिए निर्माण कार्य किये जा रहे हैं।

Powai-Chandivali, Maharashtra Konkan: Branch conducted Swami Vivekanand run competion each year in September. This time, about 30 people gathered at the Atal Udyan (Heritage Park) for the symbolic run. The participants were chanted "Bharat Mata ki Jay", Vande Mataram" enthusiastically. Patron Rishikesh Joshi reminded all on the purpose of run, to bring awareness about Swami Vivekanand. The run was started in 2013

Powai-Chandivali, Maharshtra Konkan: Branch conducted 'Vivekanand Run' competition for to bring awareness about Swami Vivekananda.

during 150th birth anniversary of Swamo Vivekanand.

केशोद, सौराष्ट्र कच्छ : शाखा द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर ऑनलाइन बालकृष्ण पोशाक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नन्हे मुन्हे बच्चे श्रीकृष्ण एवं राधा के वेष में सहभागिता की। ऑनलाइन थाल सजाओं प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता में 90 पंजीकरण हुए। निर्णायकों द्वारा घोषित की गई सभी विजेताओं को ई-सर्टिफिकेट प्रदान की गई। कार्यक्रम के सहयोजक संदीपभाई ठाक्कर रहे। इस अवसर पर विजयभाई मेहता, तुलसीभाई टिटिया, कलाबेन खानपारा, तृप्तिबेन पाठक भारतीबा जडेजा आदि उपस्थित रहे। ऑनलाइन के माध्यम से स्वस्थ गाय प्रतियोगिता के अन्तर्गत पशु चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. चावड़ा और उनकी टीम द्वारा गायों से संबंधित जैसे थन, दूध उनके खान पान और उनके चरवाहों द्वारा गायों के रखरखाव के बारे में जानकारी लेकर विजेता घोषित किया गया। प्रतियोगिता में डॉ. चावड़ा सहित दिनेशभाई सिद्धपुरा, उत्पलभाई नंदनिया और दिलीपभाई चंदेरा आदि उपस्थित रहे।

केशोद, सौराष्ट्र कच्छ : शाखा का ऑनलाइन थाल सजाओ प्रतियोगिता

सोमनाथ : शाखा ने 75वां स्वतंत्रता दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लगभग 1200 नागरिकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माननीय ईश्वरभाई आहरा, नगर कार्यवाह प्रफुलभाई हरयानी, वेरावल पाटन सेवासाधन के अध्यक्ष और शाखा के सदस्यगण उपस्थित रहे।

Visakhapatnam, Andhra Pradesh: Branch conducted various activities as Tree Plantation, BVP Foundation Day, Online

Annamayya Sankeerthana Completions, Teachers Day and Guru Purnima.

Vyasa, Tamilnadu North : Branch along with Adambakkam Sevarthigal Sangam and Equitas bank Nanganallur branch conducted a mass vaccination camp in Buvaneswari Amman complex, Andal Nagar. 158 persons were vaccinated. Branch president, Secretary were present throughout this event.

Anna Nagar, Tamil Nadu North : Branch organised GVCA Programe

Visakhapatnam, AP : Branch organise GVCA Programe

Anna Nagar : Branch organized "Tree Plantation" programme by planting over 100 tree-saplings at the premises of PMR Engineering College. And branch also conducted GVCA programme at Anjiugam LP School, Choolaimedu. In which all 8 teachers were honoured with Ponnada, Gift, Sweet Box and a Lotus flower. The students offered rose petals at the feet of the teachers and the teachers blessed them. All the students were given sweet box, pencil boxes, pencil, eraser, sharpener and a scale. ■

नेत्रदान–देहदान

पूर्व सैनिक मनु महाराज के नेत्रदान से दो नेत्रहीनों को नई रोशनी प्रदान हुई।

भवानीमंडी (राजस्थान दक्षिण पूर्व) भारतीय सेना में 37 वर्ष तक देशसेवा के उपरान्त कैप्टन के पद से सेवानिवृत्त एवं प्रसिद्ध कथावाचक दुर्गाशंकर नागर (मनु महाराज) के निधन के बाद भवानीमंडी शाखा द्वारा 40वाँ नेत्रदान सम्पन्न किया गया।

प्रान्तीय प्रकल्प प्रभारी कमलेश दलाल ने बताया कि शाइन इंडिया फाउण्डेशन की नेत्र उत्सर्जन टीम के डॉ. जे.के. अरोड़ा ने कैप्टन के पुत्र राजेश नागर की नेत्रदान की इच्छा पर मुक्तिधाम में परिजनों, रिश्तेदारों, नगरपालिका अध्यक्ष कैलाश बोहरा, अनिल वर्मा, कालूलाल सालेचा सहित अन्य नगरवासियों के मध्य 10 मिनट में नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी की। मृतक दुर्गाशंकर मनु महाराज का कोर्निया अच्छा पाया गया, जिसे आई बैंक जयपुर भिजवा दिया गया जहाँ दो नेत्रहीनों को नई रोशनी प्रदान कर सकेगा। इस वर्ष का यह 9वाँ एवं शाखा का 40वाँ नेत्रदान था।

भवानीमंडी नगर के ट्रांसपोर्ट व्यवसायी हुकुमचंद गोयल के निधन पर उनके बेटे संजय एवं राकेश गोयल ने नेत्रदान की इच्छा प्रकट की जिस पर शाइन इंडिया फाउण्डेशन की नेत्र उत्सर्जन टीम पहुँच कर उनका नेत्रदान प्राप्त किया। शाइन इंडिया फाउण्डेशन के ज्योति मित्र एवं प्रान्तीय प्रकल्प प्रभारी ने बताया कि गोयल जी का कॉर्निया अच्छा पाया गया है। जिसे आई बैंक जयपुर भिजवा दिया गया। जहाँ दो नेत्रहीनों को नई ज्योति प्रदान की जा सकेगी। यह 41वां नेत्रदान है।

CONDOLENCE MESSAGE

We are very much pained to inform you about the sad demise of our (Bharat Vikas Parishad) National Patron Justice D.R. Dhanuka, who left for his heavenly abode on 2nd Oct.2021 at the age of 87.

Justice Dhanuka was associated with Bharat Vikas Parishad for a long period. He was the Prantiya President of BVP Maharashtra in 2001, National Vice President in 2002 & 2003 and later took up the responsibility of being the National President for 4 years from 2004 to 2008. Thereafter, he continued his services as National Patron of BVP.

Dhanuka ji was an eminent Justice of Bombay High Court, renowned scholar, educationist and philosopher. On his sad demise, Bharat Vikas Parishad, has lost a visionary, Philosopher and guide. We pray to the almighty to grant eternal peace to the departed soul and enough strength to the bereaved family to bear this irreparable loss.

Om Shanti-Shanti-Shanti

Contact Address of his son:
JUSTICE RAMESH DHANUKA,
703, Meenaxi Towers, Gokuldham,
Goregaon(E), Mumbai-400097,
Mob: 9322877507

RNI No. 19789/70 No. G-3 DL-(N)-112/2021-2023 Licensed to post without pre payment No. U (DN)-91/2021-22 Date of Printing 22.10.2021
Dates of Posting 27 & 28 October, 2021 from Ashok Vihar H.O. Delhi

पठ्नीय एवं संग्रहणीय त्रैमासिक पत्रिका 'ज्ञान प्रभा' नये कलेवर के साथ प्रकाशित किया जा रहा है। इस पत्रिका में 'कार्यकर्ता निर्माण', से संबंधित प्रेरक प्रसंग, 'संस्कृति तीज त्यौहारो' पर लेख, 'महिलाओं एवं बच्चों के लिए चार रोचक पृष्ठ एवं ओलंपिक खिलाड़ियों पर विशेष सामग्री सम्मिलित किया जा रहा है।

सहयोग राशि :

वार्षिक ₹200/- त्रैवार्षिक ₹500/- आजीवन ₹2000/-

सहयोग राशि पत्राचार पता सहित केन्द्रीय कार्यालय को bvp@bvpindia.com पर ई-मेल करें या डाक/कोरियर द्वारा प्रेषित करें।

नोट : कृपया सहयोग राशि **'भारत विकास परिषद् प्रकाशन'** के नाम भेजें अथवा Account No. 90962010080664, IFSC code: CNRB0019096 of CANARA Bank, Pitampura, Delhi-110034, में NEFT/RTGS कर सकते हैं।

भारत विकास परिषद् 2022 के वॉल कैलेण्डर
Bharat Vikas Parishad Wall Calendar 2022

वर्ष 2022 के वॉल कैलेण्डर प्रकाशित किये जा रहे हैं।

सहयोग राशि : रुपये 25/-

कैलेण्डर्स मंगवाने के लिए अपना ऑर्डर bvp@bvpindia.com पर ई-मेल करें।

कृपया आपके ऑर्डर अग्रिम भुगतान के साथ प्रार्थनीय है।

Kindly make the payment in favor of 'Bharat Vikas Parishad Prakashan'. Account No. 90962010080664, IFSC code: CNRB0019096 of CANARA Bank, Pitampura, Delhi-110034

नोटः ▸ न्यूनतम ऑर्डर : 25 कैलेण्डर।
▸ 300 से अधिक के ऑर्डर पर 10 प्रतिशत की विशेष छूट।

Published & Printed by Shyam Sharma for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034
Editor : Dr. S.C.Gupta Printed at: DEEYA MEDIA ART, D-41/A, Opposite Metro Pillar No.33, Laxmi Nagar, Vikas Marg, Delhi-110092, Ph.: 9312550335